दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 176
कोटद्वार बुधवार
26 अक्टूबर 2022, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

कोयंबटूर में 5,000 से अधिक सफाई कर्मचारियों का विरोध, वेतन वृद्धि की मांग

कोयंबटूर, एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन हुआ। कोयंबटूर नगर निगम के 5,000 से अधिक कन्ट्रैक्ट वाले सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। संघ के सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अपनी नौकरियों को नियमित करने और वेतन में वृद्धि की मांग की।

हड़ताल के कारण सोमवार को दीपावली के दौरान एक हजार टन से अधिक कूड़ा-करकट, विशेषकर पटाखों के अवशेष, जो सोमवार को फटे थे, ढेर हो गए। कुछ दिन पहले कलेक्टर जी एस समीरन और निगम आयुक्त एम प्रताप ने उन्हें इस मामले को देखने और तमिलनाडु सरकार से वेतन बढ़ाने की सिफारिश करने का आश्वासन देने के बाद श्रमिकों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली। कुछ दिन पहले कलेक्टर जी एस समीरन और निगम आयुक्त एम प्रताप ने उन्हें इस मामले को देखने और तमिलनाडु सरकार से वेतन बढ़ाने की सिफारिश करने का आश्वासन देने के बाद श्रमिकों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली थी। कार्यकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को नहीं सुना गया तो वे और भी बड़े विरोध प्रदर्शन पर जा सकते हैं।

डकैती डालने बंदूक लेकर घर में घुसा लुटेरा, महाराष्ट्र के मंत्री ने यूं पकड़वाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मंत्री दादा भुसे ने लुटेरों को पकड़ने में पुलिस की मदद की। मालेगांव में एक बंगले में लुटेरे घुस गए थे और नकली बंदूक के दम पर वे महिला को धमक-ाकर गहने लूटने की फिराक में थे। कलेक्टर पट्टा इलाके में स्थिति बंगले को लुटेरों ने निशाना बनाया था। लुटेरे की पहचान ष्ण पवार के तौर पर हुई है। घर में महिला को अकेला देखकर लुटेरा घर में घुसा था।

लुटेरे ने जब डोर बेल बजाई तो अंदर से एक बच्ची ने जवाब दिया। पवार ने कहा कि बच्ची के पिता ने कुछ सामान घर पहुंचाने को कहा है।

सीएम ने ईगास-बग्वाल को अवकाश की घोषणा की

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखण्ड के लोकपर्व ईगास-बग्वाल को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय अवकाश की घोषणा की है।

यह दूसरा मौका होगा जब उत्तराखण्ड में लोकपर्व ईगास को लेकर अवकाश घोषित किया गया हो। इससे पूर्व पिछले वर्ष भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ईगास बग्वाल पर राजकीय अवकाश की घोषणा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईगास बग्वाल उत्तराखण्ड वासियों के लिए एक विशेष स्थान रखती है। यह हमारी लोक संस्कृति का प्रतीक है। हम सब का प्रयास होना चाहिए कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को जीवित रखें। नई पीढ़ी हमारी लोक संस्कृति और पारम्परिक त्योहारों से जुड़ी रहे, ये हमारा उद्देश्य है।

ट्वीट द्वारा यह जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि "आवा! हम सब्बि मिलके इगास मनोला नई पीढ़ी ते अपणी लोक संस्कृति से जुड़ोला। लोकपर्व 'इगास' हमारु लोक संस्कृति कु प्रतीक च।

ये पर्व तें और खास बनोण का वास्ता ये दिन हमारा राज्य मा छुट्टी रालि, ताकि हम सब्बि ये त्योहार तै अपणा कुटुंब, गौं मा धूमधाम से मने सको। हमारि नई पीढी भी हमारा पारंपरिक त्यौहारों से जुणि रौ, यु हमारु उद्देश्य च।"

क्या होता है भैलो

ईगास बग्वाल के दिन भैला खेलने का विशेष महत्व है। यह चीड़ की लीसायुक्त लकड़ी से बनाया जाता है। जहां चीड़ के जंगल न हों वहां लोग देवदार, भीमल या हींसर की लकड़ी आदि से भी भैलो बनाते हैं। इन लकड़ियों के छोटे-छोटे टुकड़ों को एक साथ रस्सी से बांधा जाता है। फिर इसे जला कर घुमाते हैं। इसे ही भैला खेलना कहा जाता है।

27 को बंद होंगे केदारनाथ धाम के कपाट

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम के कपाट गुरुवार को वैदिक परम्परा और पूजा अर्चना के साथ बंद होंगे। शीतकाल में भगवान केदारनाथ की पूजा-अर्चना शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में की जाएगी। केदारनाथ धाम में समाधि पूजा के बाद वैदिक परम्परानुसार कपाट बंद होने की कार्रवाई की जाएगी। बदरी-मंदिर समिति के कार्याधिकारी आरसी तिवारी ने बताया कि केदारनाथ धाम के कपाट इस यात्रा वर्ष 27 अक्तबूर प्रातः साढ़े आठ बजे शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इससे पहले भगवान की समाधि पूजा की जाएगी। उन्होंने बताया कि भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह डोली 27 अक्तूबर को फाटा पहुंचेगी। जहां रात्रि विश्राम के बाद 28 अक्तूबर को डोली गुप्तकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंचेगी। 29 अक्तूबर को केदारनाथ की डोली पंचकेदार गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। यहां पूजा अर्चना और परम्परा के अनुसार डोली को मंदिर में विराजमान किया जाएगा। इसी दिन से पंचकेदार गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में भगवान केदारनाथ की शीतकालीन पूजाएं शुरू होंगी। वहीं दूसरी ओर गौरीकुंड स्थित गौरामाई के कपाट भी इसी दिन बंद किए जाएंगे। **(एजेन्सी)**

मामूली विवाद को लेकर विलासपुर के युवक की मारी गोली, मौत

रूद्रपुर : मामूली विवाद को लेकर शहर की पॉश कालोनी मेट्रोपोलिस में बिलासपुर निवासी एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दीपावली की रात हुए इस हत्याकांड के बाद कॉलोनी में दहशत फैल गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। वहीं मृतक के भाई ने दो भाइयों समेत छः लोगों को नामजद करते हुए पंतनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर रही है।

नरेन्द्र सिंह पुत्र गुरचरन सिंह निवासी ग्राम दुर्जनपुर थाना बिलासपुर रामपुर यूपी ने पंतनगर थाने में दी तहरीर में कहा है कि सोमवार शाम करीब छः बजे किसी बात को लेकर उसके भाई दलजीत सिंह की गुरवीर सिंह और कंवल सिंह पुत्र चमकार सिंह निवासी ग्राम भदईया नसीमगंज थाना बिलासपुर से कहासुनी हो गई थी, लेकिन कुछ दोस्तों ने मामला निपटा दिया। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे दलजीत को बिग बाजार पहुंचने के लिए फोन आया। इस पर उसने अपने भाई को अकेले नहीं जाने दिया और वह भी उसके साथ बिग बाजार पहुंचा। वहीं विवाद की बात पता चलने पर मां बलविंदर कौर ने उनके जीजा मनिन्दर सिंह निवासी सूरी फार्म थाना बिलासपुर और विक्रमजीत हाल निवासी डिबडिबा को भी उनके पास भेज दिया। आरोप है कि वहां दो गाड़ियों में आए गुरवीर सिंह और कंवल सिंह, प्रभुजोत सिंह पुत्र बलजिन्दर सिंह निवासी सदराखेड़ा बिलासपुर यूपी हाल निवासी मॉडल कालोनी, जतिन, अमन बाजवा, मुकुल बत्रा और उनके पांच-छह अज्ञात साथियों ने डंडों और धारधार हथियार से दलजीत पर हमला बोल दिया। इसी बीच गुरवीर ने पिस्टल से दलजीत को गोली मार दी।

दलजीत को तत्काल मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। राममूर्ति अस्पताल भोजीपुरा बरेली ले जाने पर डॉक्टरों ने दलजीत को मृत घोषित कर दिया। सिडकुल चौकी प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर पंतनगर थाने में हत्या समेत अन्य धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। **(एजेन्सी)**

आतिशबाजी से उत्तराखंड में कई जगह लगी भीषण आग

देहरादून । दीपावली की रात कहीं हर्ष और उल्लास देखने को मिला तो कहीं भीषण आग से लाखों का नुकसान हो गया। देहरादून, हरिद्वार और रुड़की सहित राज्यभर से आतिशबाजी से आग लगने की घटनाएं सामने आईं।

देहरादून के डोईवाला भानियावाला में एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग से लाखों के नुकसान का अनुमान है। वहीं पुलिस व अग्निशमन ने बड़ी मशक्ष्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दीपावली की रात आतिशबाजी से आग लगने की पांच घटनाएं सामने आई हैं। मायापुर फायर स्टेशन की टीम ने समय रहते मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। अग्निकांड में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है, लेकिन कहीं भी जनहानि नहीं हुई।

सोमवार रात दीपावली की आतिशबाजी से घरों में आग लगने की कनखल, हरिद्वार, ज्वालापुर, भेल और रानीपुर क्षेत्र में पांच अलग-अलग घटनाएं हुईं।

कंट्रोल रूम पर सूचना मिलने पर दमकल टीम रात भर आग बुझाने के लिए दौड़ती रही। प्रभारी अग्निशमन अधिकारी प्रताप सिंह राणा ने बताया कि सभी जगहों पर आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। कहीं भी कोई जनहानि नहीं हुई है।

रुड़कीमें शहर से लेकर देहात तक अलग-अलग जगह पर दिवाली की आतिशबाजी के चलते आग लग गई। आग लगने की घटना पर दमकल विभाग की टीम रात भर दौड़ती रही।

दिवाली की रात रामपुर चुंगी स्थित एक रूई के गोदाम में भी आतिशबाजी के चलते आग लग गई। भयंकर आग लगने पर आसपास के मकान भी इसकी चपेट में आने की आशंका हो गई। जिसके चलते लोगों ने आग बुझाने का प्रयास करते हुए दमकल विभाग की टीम को सूचना दी।दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह से आग पर काबू पाया।

भारतीय मूल के ऋषि सुनक के हाथ में ब्रिटेन की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषि सुनक मंगलवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने और अब उन्हें अपना ध्यान एक ऐसे आर्थिक संकट पर काबू पाने की ओर लगाना है जिसने देश के वित्त को एक अनिश्चित स्थिति में छोड़ दिया है। और लाखों लोगों को भोजन और ऊर्जा बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

ऋषि सुनक ने किंग चार्ल्स प्प् के साथ बकिंघम पैलेस में मिले जिन्होंने लिज ट्रस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। ब्रिटेन की संवैधानिक राजशाही में शासक सरकारी नेताओं की नियुक्ति में एक औपचारिक भूमिका निभाता है।

सुनक 42 साल की उम्र में 200 से अधिक वर्षों में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश नेता है जिनसे तुरंत एक कैबिनेट की नियुक्ति शुरू करने और मंदी की ओर खिसकती अर्थव्यवस्था को सही करने की उम्मीद जताई जा रही है।

इस साल तीसरे कंजर्वेटिव प्रधानमंत्री के रूप में वह विभाजन से त्रस्त एक गवर्निंग पार्टी को एकजुट करने का भी प्रयास करेंगे। लिज ट्रस के संक्षिप्त कार्यकाल के बाद सुनक को सोमवार को गवर्निंग कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के रूप में चुना गया था क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की कोशिश करता है।

सुनक ने ब्रिटेन के नेता बनने पर स्थिरता बहाल करने का संकल्प लिया। ाषि सुनक ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में ब्रिटेन के प्रत्येक विश्वास को अर्जित करने का भी संकल्प लिया और आशाओं, चुनौतियों की बात की।

ऋषि सुनक के पीएम बनने से भारत-ब्रिटेन व्यापार वार्ता को मिल सकती है रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषि सुनक के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने से भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति मिलने की संभावना है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि भारतवंशी सुनक का पीएम बनना दोनों देश के लिए बेहद हितकारी साबित हो सकता है।

आपको बता दें कि ब्रिटेन और भारत के बीच में होने वाला ट्रेड एग्रीमेंट राजनीतिक घटनाक्रम के कारण अधूरा रहा गया। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रिटेन में राजनीतिक स्थिरता समझौते के लिए बातचीत को तेज करने में मदद करेगी। इस समझौते से देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

42 वर्षीय सुनक ने सोमवार को कंजरवेटिव पार्टी का नेतृत्व करने की रेस जीत ली है और अब वह ब्रिटेन के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। उनके पीएम चुने जाने के बाद फे-डरेशन अफ इंडियन एक्सपोर्ट अर्गनाइजेशन (के उपाध्यक्ष खालिद खान ने कहा कि यह भारत के लिए एक बहुत ही अच्छी खबर है। इससे निश्चित रूप से ट्रेड वार्ता को बल मिलेगा और बातचीत में तेजी आएगी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिस्वजीत धर ने कहा कि ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री पहले घरेलू मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और अर्थव्यवस्था को व्यवस्थित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि श्व्यापार सौदे तब नहीं होते जब कोई संकट होता है। वे तब होते हैं जब अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने 20 अक्टूबर को कहा था कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और दोनों पक्षों के जल्द ही एक समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर बातचीत कर रहे थे। दोनों का लक्ष्य दिवाली (24 अक्टूबर) तक वार्ता समाप्त करना था, लेकिन वार्ताकार समय-सीमा के भीतर समझौते को अंतिम रूप नहीं दे पाए थे।यूके, भारत में एक प्रमुख निवेशक है। 2021-22 में भारत ने 164 बिलियन अमरीकी डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। अप्रैल 2000 और मार्च 2022 के बीच यह आंकड़ा लगभग 32 बिलियन अमरीकी डालर था। भारत से यूके को तैयार वस्त्र और कपडे, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पाद, परिवहन उपकरण और भागों, मसाले, धातु उत्पाद आदि भेजे जाते हैं। जबकि भारत से यूके कीमती पत्थर, अयस्क और धातु स्क्रैप, इंजीनियरिंग सामान, पेशेवर उपकरण, अलौह धातु, रसायन और मशीनरी जैसी चीजों का आयात करता है।

सूर्यग्रहण : चारधाम सहित सभी मंदिर बंद रहे

चमोली : मंगलवार को सूर्यग्रहण और उससे पूर्व सूतककाल के कारण उत्तराखंड के चारों धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री सहित सभी मंदिर बंद रहे। ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों के कपाट खुले। विधिविधान से मंदिरों में जल प्राच्छलन, हवन यज्ञ किये गये। और अभिषेक तथा रात्रि कालीन आरती की गई।

बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया सूर्यग्रहण के कारण और इससे पूर्व सूतक के कारण बदरीनाथ मंदिर मंगलवार प्रातः 4 बजकर 15 मिनट पर बंद हुआ। शाम 5 बजकर 32 मिनट पर मंदिर के कपाट खुले। शुद्धिकरण के बाद 6 बजकर 15 मिनट पर भगवान का अभिषेक किया गया। शयन आरती के बाद रात्रि को मंदिर 9.30 बजे के लगभग बंद हुआ। केदारनाथ धाम के कपाट भी सूर्यग्रहण और सूतक के कारण प्रातः 4 .15 पर बंद किये। शाम 5 बजकर 32 मिनट पर मंदिर खुला। साफ सफाई, शुद्धिकरण हवन के बाद 7 बजे भगवान का अभिषेक, श्रृंगार, शयन आरती के बाद 8.30 बजे शायंकाल को श्री केदारनाथ मंदिर बंद किये गये। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी ने बताया गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर भी ग्रहणकाल में बंद रहे। गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर के कपाट भी सूर्यग्रहण के कारण बंद रहे। चारधाम के साथ-साथ अन्य मंदिर भी सूर्यग्रहण के कारण बंद रहे। ग्रहण की समाप्ति सांयकाल 5 बजकर 32 मिनट के बाद सभी मंदिरों के कपाट खुले। शुद्धिकरण, हवन के पश्चात मंदिरों में विधिवत अभिषेक-शयन पूजा की गई। **(एजेन्सी)**

उत्तराखंड के कई शहरों में दिखा ग्रहण, श्रद्धालुओं ने हर की पैड़ी पर लगाई डुबकी

हरिद्वार । उत्तराखंड के कई शहरों में सूर्य ग्रहण दिखाई दिया। राजधानी देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार में सूर्य ग्रहण दिखाई दिया।

इस दौरान ग्रहण देखने के लिए लोगों में उत्साह दिखाई दिया। उन्होंने पूरी सावधानी के साथ ग्रहण देखा। सूर्य ग्रहण देखने के लिए हरिद्वार के शांतिकुंज में विशेष व्यवस्था की गई थी। वहीं ग्रहण के दौरान श्रद्धालुओं ने हरिद्वार में हर की पैड़ी पर पवित्र डुबकी लगाई।

मंगलवार को तीर्थ नगरी हरिद्वार के सूर्य ग्रहण के चलते मठ मंदिर सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही बंद कर दिए गए। ग्रहण का सूतक लगने के कारण सुबह की गंगा आरती हरकी पैड़ी पर नहीं हुई। हरिद्वार में सूर्य ग्रहण शाम 4:28 से 6:27 तक रहेगा।सूतक लगने के 12 घंटे पहले हरिद्वार के सभी मंदिरों को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया। सूर्य ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिरों को स्नान करा कर श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोले जाएंगे। उसी के बाद श्रद्धालु मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे। ज्योतिषियों का कहना है कि सूर्य ग्रहण काल के दौरान सोना, खाना-पीना नहीं चाहिए। सूर्य ग्रहण के समय अपने गुरु, इष्ट देवता और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

पटाखों की चिंगारी से झुलसे तीन दर्जन से अधिक लोग

ऋषिकेश। दिवाली की रात पटाखे चलाते समय तीर्थनगरी ऋषिकेश के कई इलाकों में तीन दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। परिजन आनन-फानन में सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां मरहम पट्टी के बाद सभी की टुट्टी कर दी गई। किसी को भर्ती करने की नौबत नहीं आयी। आतिशबाजी के पर्व दिवाली में एटमबम, फुलझड़ी, अनार बम, रकेट आदि पटाखों की चिंगारी कई लोगों के लिए आफत बनी। जल्दबाजी और असुरक्षित तरीके से की गई आतिशबाजी से निकली चिंगारी की चपेट में आकर किसी का हाथ तो कोई झुलस गया। सरकारी अस्पताल ऋषिकेश की इमरजेंसी रिकार्ड के मुताबिक दिवाली की रात चंद्रेश्वरनगर, मायाकुंड, चंद्रभागा, शीशमझाड़ी, झंडा चौक, बनखंडी, शांतिनगर, श्यामपुर आदि इलाकों से 35 से अधिक लोग झुलसी अवस्था में आए। ईएमओ डा. अंकित आनंद ने बताया कि सभी के आंशिक रूप से झुलसे होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। भर्ती करने की नौबत नहीं आयी। उन्होंने बताया कि आतिशबाजी से झुलने वालों में 10 साल की उम्र से लेकर 60 साल तक के लोग शामिल रहे।

शेयर बाजार में निवेशकों को भारी नुकसान, सेंसेक्स-निफ्टी में आधा फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजार में कई कारणों से जारी दबाव का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखाई पड़ रहा है। आज सेंसेक्स में गिरावट के कारण निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये डूब गए। दिवाली के बाद हुए कारोबार में सेंसेक्स में 288 पइंट या लगभग 048 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी भी इससे अटूता नहीं रहा और इसमें 74 पइंट या 042 फीसदी की कमी दर्ज की गई। आर्थिक विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में जारी दबाव के कारण आने वाले दिनों में भी कमजोरी का यह दौर बना रह सकता है।

अमेरिका के दबाव के बावजूद ओपेक देशों ने तेल उत्पादन में कटौती करने का निर्णय लिया है, जिसका असर तेल-गैस कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में दिखाई पड़ सकता है। इससे महंगाई से जूझ रहे अमेरिकी-यूरोपीय बाजारों को राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इससे बाजार पर असर पड़ना भी तय है और एशियाई देशों से होने वाला आयात प्रभावित हो सकता है। कुछ भारतीय कंपनियों को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। ब्रिटिश पीएम के रूप में ाषि सुनक के आने से भी निवेशकों को आशंका है कि ब्रिटिश अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए वे कड़े कदम उठाने के लिए मजबूर होंगे। इससे भी बाजार पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

आर्थिक मामलों के जानकार ड. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला को बताया कि रूस-युक्रेन युद्ध के और ज्यादा गहराने की आशंका है। इससे आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई चेन के बाधित होने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका मजबूत हो गई है। इससे भी भारत से होने वाला निर्यात प्रभावित हो सकता है।

चीन में राष्ट्रपति के रूप में एक और कार्यकाल मिलने के बाद शी जिनपिंग पर देश की टूटती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का बड़ा दबाव होगा। कई चीनी बैंक अपने निवेशकों को पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं हैं, तो चीन की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा रियल स्टेट कारोबार बेहद कमजोर हालत में पहुंच गया है। अनुमान है कि इस परिस्थिति से निपटने के लिए चीन एक बार फिर मूल उद्योगों को ज्यादा राहत देकर निर्माण क्षेत्र में मजबूत होने की कोशिश कर सकता है। इससे भी भारत पर असर पड़ सकता है।

भारतीय शेयर बाजार पर सबसे ज्यादा नकारात्मक असर गिरते रुपये के कारण पड़ रहा है। रुपया लगातार गिर रहा है और मंगलवार को यह 8281 रुपये प्रति डलर तक पहुंच गया है। वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में रुपये में गिरावट का यह दौर जारी रह सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की आशंका है कि दिसंबर के अंत तक यह 85 रुपये प्रति डलर तक पहुंच सकता है। निवेशकों को आशंका है कि यदि ऐसा होता है तो उनके निवेश की बाजार कीमत घट सकती है।

लिहाजा नुकसान से बचने के लिए निवेशक भारतीय बाजारों से पैसा निकालकर डलर में निवेश करने को प्राथमिकता दे सकते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों के बाहर जाने का खतरा बढ़ सकता है और घरेलू निवेशकों को एक और झटका लग सकता है।

वरिष्ठ वनाधिकारियों ने सीएम से की भेंट, दीपावली की शुभकामनाएं दी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में प्रमुख वन संरक्षक विनोद कुमार सिंघल के नेतृत्व में वरिष्ठ वनाधिकारियों ने भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक सुरेश गड़िया भी उपस्थित थे।

चार दुकानें एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किए जाने से लोगों में खुशी

विकासनगर। चकराता कैंट बोर्ड की ओर से छावनी क्षेत्र में स्थित चार दुकानों को अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए आरक्षित किया गया है। बोर्ड के इस फैसले की लोगों ने प्रशंसा की है। छावनी क्षेत्र में कैंट बोर्ड के पास साठ से अधिक व्यावसायिक दुकानें हैं, जिन्हें समय समय पर बोर्ड द्वारा लोगों को व्यवसाय करने के लिए बोली के माध्यम से मासिक किराए पर दिया जाता है। मुख्य अधिशासी अधिकारी आरएन मंडल ने बताया कि चकराता एक जनजाति क्षेत्र है। इस बोर्ड में बोर्ड अध्यक्ष द्वारा जनजाति क्षेत्र के लोगों के वेलफेयर के लिए कुछ सुझाव मांगे थे। जिसके बाद बोर्ड ने यह निर्णय लिया कि सबसे पहले क्षेत्र के लोगों को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाए,

परिवहन निगम पर दिवाली में खूब बरसी लक्ष्मी

हल्द्वानी। इस बार रोडवेज की दिवाली में उम्मीद से ज्यादा कमाई हुई है। यह कमाई ज्यादातर दिल्ली रूट पर गाड़ियों के चलने से हुई है। अच्छी कमाई होने के बाद अब कर्मचारियों को भविष्य में अच्छे बोनस की उम्मीद भी है। दिवाली पर रोडवेज की अच्छी कमाई होने पर कर्मचारियों में काफी उत्साह है। कोरोना के चलते पिछले दो साल से लोग दिवाली में घरों से कम निकले।

कामधंधे के चलते शहरों में रह रहे ज्यादातर कोरोना काल में वापस आ गए थे। जिसके चलते रोडवेज की आय बहुत कम हुई, लेकिन इस बार रोडवेज की आय उम्मीद से ज्यादा हुई है। हल्द्वानी डिपो ने 22 अक्तूबर को 15,49,000 का लक्ष्य रखा था और आय 17,72000 यानि करीब 2,23000 रुपये से ज्यादा की कमाई की है। रविवार को भी अच्छी संख्या में यात्री पहुंचे हैं। जिसके चलते करीब 23 लाख रुपये से ज्यादा की आय हुई है। यानि की लक्ष्य से करीब 7.5 लाख रुपये ज्यादा। वहीं दिवाली के दिन भी रोडवेज को करीब 13 लाख रुपये की आय हुई। यानि तीन में करीब 54 लाख रुपये आय हुई है। इस आय के पीछे रोडवेज कर्मचारियों की दिन रात की मेहनत है।

अच्छी आय के बाद कर्मचारी निगम प्रबंधन की तरफ से अच्छे उपहार की उम्मीद कर रहे हैं। कोरोना के चलते पिछले दो बार यात्री काफी कम थे, लेकिन इस बार अच्छी संख्या में यात्री आए हैं, जिससे रोडवेज को उम्मीद से ज्यादा आय हुई है। वापसी में भी हम अच्छी आय की उम्मीद कर रहे हैं।

—सुरेन्द्र सिंह बिष्ट, एआरएम, हल्द्वानी, परिवहन निगम

पूर्व डीजीपी बीएस सिद्धू के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून। देहरादून। पूर्व डीजीपी बीएस सिद्धू समेत आठ के खिलाफ राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन पर रिजर्व फॉरेस्ट की जमीन कब्जाने और पेड कटवाने के गंभीर आरोप है। डीएफओ मसूरी आशुतोष की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया।

शासन से मंजूरी के बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। सिद्धू ने वर्ष 2012 में मसूरी वन प्रभाग में वीरगिरवाली गांव में 1.5 हेक्टेयर जमीन खरीदी। इस जमीन से मार्च 2013 में साल के 250 पेड़ काट लिए गए। सूचना मिलने पर वन विभाग ने इसकी जांच कराई तो पता चला कि संबंधित पेड़ जिस जमीन पर हैं वह रिजर्व फॉरेस्ट है। सिद्धू ने अवैध तरीके से जमीन खरीदी। साल के पेड़ भी काट दिए। इस मामले में वन विभाग ने उनके खिलाफ जुर्म काटा था। बाद में जमीन की सिद्धू के नाम की गई रजिस्ट्री भी कैंसिल की गई। इस मामले में कुछ समय पूर्व ही वन विभाग ने सिद्धू पर रिजर्व फारेस्ट में जमीन कब्जाने और पेड़ कटान के आरोप में आईपीसी की धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाने की अनुमति शासन से मांगी थी।

वन सचिव विजय कुमार यादव की ओर से उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने की अनुमति दे दी गई है। शासन ने पीसीसीएफ को इस मामले में कार्रवाई के लिए लिखा। इसके बाद उन्होंने डीएफओ मसूरी को पूरे मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएफओ मसूरी आशुतोष ने बताया कि पूर्व डीजीपी बीएस सिद्धू के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन का पत्र मिल गया था।

पूर्व डीजीपी बीएस सिद्धू ने कहा कि मेरे खिलाफ वन विभाग जुर्म काटने की कार्रवाई कर चुका है। जो गलत थी। इस मामले में जिला न्यायालय ने मेरे खिलाफ आईपीसी में मुकदमा दर्ज करने की अनुमति को खारिज कर दिया है। ऐसे में शासन ने अगर मेरे खिलाफ मुकदमें की अनुमति दी है तो वो गलत है। इसके खिलाफ मैं आगे कानूनी कार्रवाई करूंगा।

इनके खिलाफ हुआ मुकदमा

पूर्व डीजीपी बीएस सिद्धु पुत्र जगदेव सिंह, निवासी 11 उषा कालोनी, सहस्त्रधारा रोड, थाना राजपुर।

महेन्द्र सिह, एचयूएफ निवासी 11 उषा कालोनी, सहस्त्रधारा रोड, थाना राजपुर।

नत्थूराम पुत्र महकूमल निवासी 61 डिस्पेन्सरी रोड, काशीराम क्वार्टर, थाना कोतवाली नगर दून हाल निवासी रोहटा रसूलपुर, तहसील सदर थाना सरूरपुर,जनपद मेरठ।

दीपक शर्मा पुत्र एमपी शर्मा, निवासी 06 जेल चुंगी विक्टोरिया पार्क, मेरठ उत्तर प्रदेश।

स्मिता दीक्षित निवासी 227 आरए बाजार तोपखाना, थाना लालकुर्ती, मेरठ,उत्तर प्रदेश।

सुभाष शर्मा पुत्र खुशीरा शर्मा, निवासी सी–20 लोहियानगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश।

श्री कृष्ण पुत्र लाल सिह, निवासी शिवपुरम, मरेठ, उत्तर प्रदेश।

शुजाउद्दीन, तत्कालीन तहसीलदार, तहसील सदर देहरादून।

दिवाली की रात दो दुकानों में लगी आग

देहरादून। दिवाली की रात को शहर में आग लगने की कई घटनाएं हुई। फायर सर्विस देहरादून की टीमों ने तत्काल पहुंचकर काबू पाया। चकराता रोड पर सुभाष बॉम्बे ग्लास हाउस की बंद दुकान में आग की सूचना पर पहुंची टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। शटर को तोड़कर आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया कि शहर में कई जगहों पर आग लगी, लेकिन कही कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। कॉलागढ़ रोड पर अर्जुन कौशल की इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग लग गई। जिसे एफएस यूनिट ने होज रील की सहायता से आग को बुझाया। उधर, रेसकोर्स में पुलिस लाइन के बराबर में एक ग्रॉसरी की दुकान में भी आग लगी।

पुलिस मैराथन के लिए 27 तक कराएं रजिस्ट्रेशन

देहरादून। एक भारत श्रेष्ठ भारत और नशा मुक्त उत्तराखंड के संदेश के साथ 30 अक्टूबर को होने वाली हंस फाउंडेशन पुलिस मैराथन के लिए आनलाइन रजिस्ट्रेशन 27 अक्टूबर तक होंगे। अब तक इसके लिए 12 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि अभी और बड़ी संख्या में रजिस्ट्रेशन होने की उम्मीद है। पिछले तीन बार से कोविड के चलते मैराथन नहीं हो पायी थी, लेकिन इस बार इसके आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है। सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर ये मैराथन आयोजित की जा रही है। इसके अलावा युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति के चलते नशा मुक्त उत्तराखंड का भी संदेश दिया जाएगा। मैराथन की पूर्व संख्या पर कैलाश खेर सहित तमाम कलाकारों की प्रस्तुतियां भी होंगी। मैराथन में 21 व 10 किमी की दो रेस होंगी।

विजेता प्रतिभागियों को कुल 10 लाख रूपये के पुरस्कार वितरित किये जाएंगे। इसमें 16 से 20, 20 से 45 और 45 से ज्यादा आयु वर्ग की तीन कैटेगरी होंगी। इसके अलावा एक तीन किमी की फन मैराथन भी करायी जाएगी, जिसमें 14 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चे प्रतिभाग कर सकते हैं। सभी रजिस्ट्रेशन उत्तराखंड पुलिस की वेबसाइट पर कर सकते हैं। 28 और 29 अक्टूबर को पुलिस लाइन में प्रतिभागियों को बिब नंबर दिए जाएंगे।

दीपावली की रात चोरों ने बनाया तीन दुकानों को निशाना

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चोरों ने दीपावली की रात को सैयद रोड स्थित नगर पालिका शॉपिंग कांपलेक्स में तीन दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने दुकानों के ताले और दरवाजे तोड़कर दुकानों की तिजोरियों को खंगाल डाला। चोरों को एक दुकान में मात्र बारह सौ रुपये की नगदी मिली। चोर एक दुकान से दवाइयों की पेटी उड़ा कर ले गये। जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात तक लोग जहां दीपावली के त्योहार को मनाने में मस्त थे। वहीं चोरों ने सैयद रोड स्थित कुसुम होम्योपैथिक क्लीनिक, झा फिजियो थेरेपी सेंटर और कंस्ट्रक्शन कंपनी के कार्यालय का ताला तोड़कर चोरी की।

एक नजर

9 नवंबर को रखी जायेगी शहीद स्मारक की आधारशिला

चमोली : विकासखंड़ के पंचाली नामक स्थान पर उत्तराखंड़ राज्य के शहीदों का स्मारक की नींव राज्य स्थापना दिवस 9 नबंवर पर पड़गी। यह जानकारी स्थाई राजधानी गैरसैंण संयुक्त संर्घष समिति अध्यक्ष नारायण सिंह बिष्ट एवं जसवंत बिष्ट ने संयुक्त रूप से दी। बताया कि स्मारक बनाने के लिए स्थानीय पंचाली के ग्रामीणों ने भूमिदान की है। इस स्मारक में 41 राज्य आंदोलनकारियों के साथ ही गैरसैंण राजधानी के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले मोहन सिंह नेगी बाबा उत्तराखंडी का भी नाम होगा। बताया कि स्मारक का ब्लू प्रिंट तैयार कर दिया गया है, समिति कई दिनों से स्थानीय जनसंर्पक में लगी हुई है अलबत्ता कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी इसमें सहयोग मिल रहा है। कहा कि 9 नवबंर राज्य स्थापना दिवस पर इसकी आधारशिला रखी जायेगी, कहा इस स्मारक बनाने के लिए सरकार से सहायता की अपील भी की गई है। (एजेन्सी)

पुलिसकर्मी ने दिखाई ईमानदारी, लौटाया फोन

उत्तरकाशी : थाना बड़कोट अंतर्गत चीता ड्यूटी में तैनात दो पुलिस के जवानों ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एक व्यक्ति को उसका खोया हुआ स्मार्ट फोन वापस लौटा दिया। अपना खोया फोन पाकर उक्त व्यक्ति ने पुलिस के जवानों का आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीपावली त्यौहार के दौरान सोमवार देर सायं को कांस्टेबल सुनील राणा व कांस्टेबल दिनेश बाबू बड़कोट बाजार में चीता मोबाइल गश्त ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्हें बाजार में एक एंड्राइड मोबाइल फोन पड़ा हुआ मिला।

पुलिसकर्मियों द्वारा ईमानदारी का परिचय देते हुए फोन के डायल नम्बरों पर कॉल कर फोन के मालिक का पता किया गया। फोन तहसीलकर्मी ग्राम भाटिया निवासी बालमिया लाल का था, पुलिसकर्मियों द्वारा उन्हें बुलाकर मोबाइल फोन को उनके सुपुर्द किया गया। पुलिस जवानों की ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए बालमिया लाल द्वारा जवानों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। (एजेन्सी)

हर्षोल्लास से मनाया आईटीबीपी ने 61वां स्थापना दिवस

देहरादून। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) का 61वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। ध्वजारोहण के साथ भव्य परेड का आयोजन किया गया। मसूरी स्थित आईटीबीपी अकादमी के निदेशक एवं महानिरीक्षक पीएस डंगवाल और अन्य अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण किया। शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

अकादमी परेड ग्राउंड में ध्वजारोहण किया गया। भव्य परेड ने बल के ध्वज को सलामी दी। बल के स्वर्णिम इतिहास को याद किया गया।

बताया गया कि चार वाहनियों के साथ देश की उत्तरी सीमाओं की रक्षा का कार्यभार आईटीबीपी ने संभाला। वर्तमान में बल को लद्दाख से कराकोरम पास और अरुणाचल प्रदेश में जेचेप ला तक 3488 किमी की लंबी सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। बल हिमालय के उच्च क्षेत्रों में भारत–चीन सीमा पर नौ हजार फीट से 18700 फीट की ऊंचाई पर तैनात है। अकादमी के निदेशक पीएस डंगवाल ने बताया कि हिमवीर माइनस 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में भारत की अग्रिम चौकियों में अपने बल के आदर्श वाक्य शौर्य, दृढ़ता, कर्मनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। आतंकवाद और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी अपना अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में तैनात होने के कारण समय–समय पर आए प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और आपदाओं से बचाने में भी बल अहम योगदान दे रहा है। कार्यक्रम में उप महानिरीक्षक एवं उपनिदेशक अजय पाल सिंह, सेनानी प्रशासन शोभन सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रीमदभागवत कथा आज से

नई टिहरी : जगत गुरु ज्योतिष्पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्व. माधवाश्रम महाराज के पंचम निर्वाण दिवस पर बुधवार (आज) से नई टिहरी स्थित सनातन धर्म शक्तिपीठ दुर्गा मंदिर में श्रीमदभागवत कथा का आयोजन शुरु होगा।

मंदिर समिति की ओर से कार्यक्रम लेकर तैयारियां पूरी की गई है। मंदिर समिति व्यवस्थापक राजेंद्र प्रसाद चमोली ने बताया कि श्रीमद्भगवत कथा के शुभारंभ से पूर्व नई टिहरी सुमन पार्क से दुर्गा मंदिर तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, यात्रा में नगर की महिलाऐं और पुरुष शामिल होंगे।

बताया कथा वाचक प्रवचन महंत मुनि अभयचैत्यन्य महाराज करेंगे, जबकि मूल पाठ बाल व्यास बालकृष्ण चमोली करेंगे।

तीन महिलाओं सहित नौ के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई

उत्तरकाशी : जनपद पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ सख्त रूख अपनाया है। पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त 9 लोगों के विरुद्ध कोतवाली उत्तरकाशी में गुण्डा ऐक्ट में कार्रवाई करते हुए चालानी रिपोर्ट न्यायालय को भेज दी है। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

एसएचओ कोतवाली उत्तरकाशी दिनेश कुमार ने बताया कि एसपी अर्पण यदुवंशी और सीओ के निर्देशन में अवैध शराब के कारोबार में शामिल नौ लोगों के खिलाफ गुंडा ऐक्ट लगाया है। इनमें दीपक भण्डारी पुत्र स्व. विजेन्द्र सिंह, निवासी मातली, सूर्यप्रकाश पुत्र गोविन्द सिंह, मातली, सज्जन सिंह पंवार पुत्र इन्दर सिंह, ग्राम उतरों उत्तरकाशी, प्रदीप सिंह पुत्र भोला सिंह, निवासी सीरी, गाजणा, भगत सिंह पुत्र दाडीमल, निवासी नेपाल, हॉल ज्ञानसू, अमर शाही पुत्र जगमल, निवासी नेपाल, हॉल कोटी गांव जोशियाड़ा, मीना देवी पत्नी स्व. तोप सिंह, वीरपुर डुण्डा, रोशनी देवी पत्नी हुकम सिंह, वीरपुर डुण्डा तथा कमली देवी पत्नी विरेन्द्र सिंह निवासी वीरपुर डुण्डा उत्तरकाशी के खिलाफ यूपी गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की कार्रवाई करते हुये चालानी रिपोर्ट न्यायालय को भेज दी गयी है। इन सभी के खिलाफ मनेरी और उत्तरकाशी थाना कोतवाली में आबकारी अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न मामले दर्ज हैं। (एजेन्सी)

धूमधाम से मनाया दीपावली पर्व

रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग जिले में दीपावली का पर्व धूम-धाम से मनाया गया। मुख्यालय सहित केदारनाथ धाम तक दीपोत्सव का उल्लास देखा गया। इस मौके पर केदारनाथ मंदिर के परिसर में बड़ी संख्या में दीप जलाए गए। वहीं लोगों ने घरों में दीप जलाए और एक दूसरे को बधाई दी। साथ ही लोगों ने घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए। साथ ही मिठाइयां बांटी। जिले में आगजनी सहित किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।मुख्यालय सहित जिले के सभी स्थानों पर दीपावली को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल रहा। केदारनाथ मंदिर को दस कुंतल फूलों के साथ ही विभिन्न लाइटों से जगमग किया गया। दीपावली पर्व पर रात्रि को केदारनाथ धाम में देवस्थानाम बोर्ड, पुलिस एवं डयूटी में तैनात अधिकारी व कर्मचारियों ने मंदिर परिसर के चारों ओर दीप जलाने के साथ ही मंदिर में अलाव जलाकर रोशनी की गई। साथ ही केदारनाथ पटाखों की आतिशबाजी भी की। वहीं जिला मुख्यालय समेत पूरे जिले के कई स्थानों पर लोगों ने अपने घरों को भी फूलों और लड़ियों सजाया। दीपावली की रात्रि को लोगों ने अपने घरों में रंगोली तैयार दीप जलाकर त्योहार को मनाया।

जिला मुख्यालय के साथ ही तिलवाडा, अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ, गुप्तकाशी, फाटा, गौरीकुंड, चोपता, चोपडा, मयाली व जखोली में दीपावली का त्यौहार बडे धूमधाम से मनाया गया। (एजेन्सी)

चालदा महासू मंदिर में परंपरागत तौर पर मनाई गई दीपावली

विकासनगर। जौनसार बावर क्षेत्र के समाल्टा गांव में स्थित छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर के प्रांगण में नई दीपावली को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पांच दिवसीय पर्व के पहले दिन ग्रामीण रात भर होला(मशाल) जलाकर पारंपरिक गीतों पर थिरकते रहे।

चालदा महासू महाराज के समाल्टा आगमन पर कई वर्षों बाद समाल्टा गांव में नई दीपावली का जश्न शुरू हुआ। जबकि जौनसार बावर में दीपावली को एक महीने पश्चात ठीक इसी दिन बूढ़ी दीपावली के रूप में मनाया जाता है।

युवा न्यास संघर्ष समिति का धरना रहा जारी

ऋषिकेश। युवा न्यास संघर्ष समिति का कोयलघाटी में धरना 13वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने अंकिता हत्याकांड के आरोपियों को फांसी दिलाने की मांग की। मंगलवार को कोयलघाटी में युवा न्याय संघर्ष समिति का धरना 13वें दिन भी जारी रहा।

राज्य आंदोलनकारी रामेश्वरी चौहान ने कहा कि त्योहार के दिनों में भी हम अपनी बेटी और युवाओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं और सरकार मूक दर्शक बनकर बैठी है। जोकि दिखाता है कि उत्तराखंड के लोगों के प्रति सरकार कितनी संवेदनशील है। सरकार कहीं न कहीं दोषियों को बचाने का काम कर रही है। जितार सिंह बिष्ट ने कहा कि बीते 13 दिनों से धरना चल रहा है, लेकिन सरकार के कानों में अभी तक जूं तक नहीं रेंग रही है। धरने में भगवती देवी चमोली, सुमिता बिष्ट, अमरा बिष्ट, जया डोभाल, हेमा रावत, सन्नी प्रजापति, संजय सिलस्वाल, प्रवीण जाटव, सूरज कुकरेती, रविन्द्र प्रकाश भारद्वाज, विनोद रतूड़ी, सुरेन्द्र सिंह नेगी, विक्रम भंडारी, उमेद सिंह बिष्ट, अनिल रयाल, युद्धवीर सिंह, राजेंद्र कोठारी, हरि सिंह नेगी, भरत सिंह नेगी, श्रीपाल ठाकुर, राजेंद्र तिवाड़ी आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों संग मनाई दीपावली

ऋषिकेश। संस्कार भारती डोईवाला ने नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों संग दीपावली का पर्व मनाया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को पटाखे वितरित कर और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। संस्कार भारती ने डोईवाला चौक पर दीपावली पर्व के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में संस्कार भारती के सदस्यों ने नगर पालिका डोईवाला के सफाई कर्मियों को पटाखे वितरित किए। उसके बाद उन्हें फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। संस्कार भारती के नगर अध्यक्ष ईश्वर चंद्र अग्रवाल ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने देश का संविधान बनाकर जो काम किया है, उसे देश कभी नहीं भूल पाएगा। उन्हीं की वजह से देश में आज छुआछूत और भेदभाव खत्म हो गया है। पीएम मोदी से पहले तक किसी प्रधानमंत्री ने सफाई कर्मियों को सम्मानित नहीं किया, जबकि पीएम मोदी ने सफाई कर्मियों के सम्मान दिया, जो सराहनीय है।

भारतवंशी ऋषि सुनक ने रचा इतिहास

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का असर पूरी दुनिया पर दिखने लगा है।

स्वामी ने कहा कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया, सूरीनाम, मारीशस समेत कई अफ्रीकी और एशियाई मुल्कों में उच्चपदों पर प्रतिष्ठित हैं। विभिन्न देशों के उच्च पदों पर रहने वाले अनेकों नेताओं की जड़े और मूल भारत से जुड़ा हुआ है।

रेडीमेड गारमेंट्स शॉप में आग लगने से सामान जलकर राख

ऋषिकेश। दीवाली की रात पुराना टिहरी बस अड्डा रोड पर टीजीएमओ कॉम्प्लेक्स के पास एक रेडीमेड गारमेंटस शॉप अचानक धधक उठी। जब तक आग की उठती भयावह लपटों को काबू में किया जाता, तब तक शॉप में रखा फर्नीचर और कपड़े जलकर राख हो गया। अग्निशमन विभाग ने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया है। अग्निशमन विभाग के मुताबिक टीजीएमओ कॉम्पलेक्स के सामने माधव, निवासी अपर गंगानगर, ऋषिकेश की राधे–राधे गारमेंट्स के नाम से कपड़े की दुकान है। बताया जा रहा है सोमवार रात करीब 10 बजे दुकान बंद करने के बाद माधव घर चले गए। रात करीब 11.30 बजे बंद दुकान के अंदर से धुएं के साथ आग की लपटे निकलते देख आसपास के लोगों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी। सूचना मिलते फायर कर्मी वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव में जुट गए। इसी बीच दुकान स्वामी भी मौके पर पहुंच गए। बामुश्किल दुकान का शटर खोला दुकान अंदर से आग की लपटों में घिरी मिली। राहत बचाव दल को आग को काबू करने में करीब 2 घंटे लगे। तब तक दुकान में रखा सारा सामान आग की भेंट चढ़ गया।

आरपी स्कूल व कांवेंट ने जीता मैच

कोटद्वारः शहीद मुकेश बिष्ट स्मृति में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता के तीसरा दिन का मुकाबला आरपी स्कूल व कांवेंट स्कूल के नाम रहा। आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यअतिथि विधानसभा अध्यक्ष के जनसंपर्क अधिकारी उत्कर्ष पांडे व पार्षद सौरभ नौडियाल ने किया। दिन का पहला मुकाबला आरपी पब्लिक स्कूल व एसजीआरआर के बीच खेता गया। जिसमें आरपी ने एसजीआरआर को 3–0 से हराया। दूसरे मुकाबले में कांवेंट स्कूल ने एमकेवीएन को 1–0 से हरया। बुधवार को प्रथम क्वार्टर फाइनल मुकाबला डीएवी व एवीएन के बीच खेला जाएगा। जबकि, दूसरे क्वार्टर फाइनल हैरिटेज व आरपी पब्लिक स्कूल की टीम के मध्य हो गया।

दीपावली की रात धान की पराली में लगी आग

कोटद्वारः दीपावली की रात नंदपुर क्षेत्र में धान की पराली पर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। घटना सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे की है। दमकल टीम को सूचना मिली कि नंदपुर क्षेत्र में खेत में काटकर रखी धान की पराली पर आग लग गई है। दमकल अधिकारी सुरेंश चंद्र ने बताया कि दीपावली त्योहार को लेकर दमकल विभाग पूरी रात अलर्ट पर रहा। मौके पर पहुंची टीम ने तुरंत आग पर काबू पा लिया था।

भाषण प्रतियोगिता तीस को

कोटद्वारः पर्यावरण मित्र ग्रीन आर्मी संगठन की ओर से 30 अक्टूबर को मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की जाएगी। कक्षा 9 से 12 तक के छात्र–छात्राओं के पहले वर्ग के लिए भाषण का विषय पर्यावरण के प्रति युवाओं की जिम्मेदारी रखा गया है। प्रतिभागी को भाषण के लिए 4 मिनट का समय दिया जायेगा। 18 से 30 आयु के युवाओं के दूसरे वर्ग के लिए भाषण का विषय पर्यावरण के परिपेक्ष्य में उत्तराखंड के 22 वर्ष और वर्तमान परिस्थिति रखा गया है। प्रतिभागी को 3 मिनट में भाषण पूरा करना होगा। यह जानकारी देते हुए संगठन के शिवम नेगी ने छात्र–छात्राओं से प्रतियोगिता के लिए बड़ी संख्या में पंजीकरण कराने की अपील की है।

पटाखे से 42 लोग झुलसे

कोटद्वारः दीपावली पर्व पर पटाखे जलाने के दौरान 42 लोग झुलस गए। पूरी रात अस्पताल में झुलसने के बाद उपचार करवाने वाले लोगों को आना-जाना बना रहा। हालांकि अधिकांश लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दीवाली पर्व को लेकर बेस अस्पताल बर्निंग मामलों को लेकर अलर्ट पर रहा। देर रात तक अस्पताल में पटाखों से जलने वाले पहुंचते रहे। हालांकि, अधिकांश लोगों को चिकित्सकों ने उपचार के बाद छुट्टी दे दी थी। लेकिन, एक गंभीर रूप से जले ग्राम मोर गांव निवासी राहुल नेगी को उपचार के लिए बेस अस्पताल में ही भर्ती किया गया।

नेगी की पुण्य तिथि पर लगाई कला प्रदर्शनी

पौड़ी : उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट व बीमोहन नेगी कला न्यास के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका सभागार न्यू काम्पलेक्स एजेंसी चौक में चित्रकार स्व. बी मोहन नेगी की 5वीं पुण्यतिथि पर कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बीमोहन नेगी व स्थानीय नवोदित बाल कलाकारों की कला प्रदर्शनी लगाई गई। शहरवासियों ने कला प्रदर्शनी को खूब सराहा। इस दौरान रचनाधर्मी स्व. शेखर जोशी व सामाजिक कार्यकर्ता स्व. हीरालाल टम्टा को श्रद्धांजलि भी दी गई।

धधक उठा ट्रेचिंग ग्राउंड, चारों ओर फैला जहरीला धुंआ

दीपावली की रात ट्रेचिंग ग्राउंड में पड़े कूड़े पर लगी आग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः दीपावली की रात गाड़ीघाट खोह नदी के तट पर बना ट्रेचिंग ग्राउंड धधक उठा। कूड़ा जलने के बाद चारों ओर फैले जहरीले धुएं के कारण आसपास के परिवारों का सास लेना भी दूभर हो गया। आज इतनी भयंकर थी कि नगर निगम के कर्मचारी कड़ी मशक्कत के बाद भी उसपर काबू नहीं पा पाए। धुएं के कारण आसपास के लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा सताने लगा है।

नगर निगम क्षेत्र के वार्डों से हर रोज एकत्रित होने वाले सैकड़ों टन कूड़े को ट्रेंचिग ग्राउंड में डाला जाता है। सोमवार देर रात जलते हुए राकेट व पटाखा गिरने से ट्रेचिंग ग्राउंड का कूड़ा धधक उठा। सुबह जैसे ही आसपास के लोगों की नींद खुली तो चारों ओर जहरीले धुएं का गुब्बार छाया हुआ था। साथ ही कूड़े के ढेर से तेज आग की लपटे निकल रही थी। पूरे दिन वातावरण में धुंआ ही छाया हुआ था। परिवारों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग व बच्चों को उठानी पड़ी। आसपास के दुकानदारों का अपने प्रतिष्ठानों में बैठना भी मुकिश्ल हो गया था।

कोटद्वार के गाड़ीघाट क्षेत्र में आग लगने के बाद ट्रेचिंग ग्राउंड से उठता जहरीला धुंआ।

आबादी से हटाया जाएं ट्रेचिंग ग्राउंड

गाड़ीघाट, कुंभीचौड़ क्षेत्र के लोग पिछले कई वर्षों से ट्रेचिंग ग्राउंड को आबादी क्षेत्र से हटवाने की मांग उठा रहे हैं। गाड़ीघाट निवासी सोहन सिंह ने बताया कि आबादी के बीच संचालित हो रहे ट्रेचिंग ग्राउंड को अन्यत्र शिफ्ट करने के लिए क्षेत्रवासी कई बार आंदोलन भी कर चुके हैं। लेकिन, अधिकारी व जनप्रतिनिधि अपने जिम्मेदारियों को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। नतीजा ट्रेचिंग ग्राउंड से उठ रही दुर्गंध व कूड़ा जलने के बाद निकल रहे जहरीले धुएं के कारण आमजन का सांस लेना भी मुश्किल हो गया है।

शव दाह करना भी मुश्किल

ट्रेचिंग ग्राउंड के समीप ही मुक्ति धाम भी है। ऐसे में जहरीले धुएं के कारण शव दाह को पहुंचने वाले लोगों का मुक्तिधाम में खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया था। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर निगम व स्थानीय प्रशासन को जनता का हित देखते हुए जल्द ट्रेचिंग ग्राउंड को अन्यत्र शिफ्ट करना चाहिए।

युवक से छीना मोबाइल बरामद

पीडित युवक को उसका फोन वापस लौटाती पुलिस।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ऑटो सवार युवक का मोबाइल छीनने वाले व्यक्ति की पहचान कर पुलिस ने युवक को उसका मोबाइल वापस दिलवा दिया है।

जानकारी के अनुसार, निंबूचौड़ निवासी राजू बुडाकोटी ऑटो में सवार होकर बीईएल रोड से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक युवक ने उसके हाथ में पकड़ा मोबाइल छीना और फरार हो गया। पीड़ित युवक ने लालबत्ती चौक पर पहुंचकर घटना के बारे में यातायात पुलिस को सूचना। कनि टीपी संतोष कुमार व पिपिन राणा ने सूचना मिलते ही क्षेत्र में वाहनों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस को ऑटो में एक युवक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। जैसे ही पुलिस उसे पकड़ने के लिए पहुंची वह मोबाइल छोड़कर फरार हो गया।

जवानों के साथ दीपावली मनाने का किया स्वागत

कोटद्वारः पूर्व सैनक सेवा परिषद के सदस्यों ने दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कारगिल पहुंच कर जवानों को संबोधित करने व हौसला बढ़ाने पर खुशी व्यक्त की है। अपर कालाबड़ स्थित कार्यालय में हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कारगिल पहुंचकर जवानों संग दीपावली भी मनाई, जो इस बात का प्रतीक है कि उनको देश की सरहद की रक्षा करने वाले जवानों की बहुत चिंता है। उन्होंने कहा कि भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और इसमें सरहद की रक्षा कर रहे जवानों का भी बहुत योगदान है। देश वीर सैनिकों के योगदान को नहीं भूल सकता। बैठक में गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, सी पी डोबरियाल, अनूप बिष्ट, बलवान सिंह, उमेद सिंह, महेंद्रपाल सिंह, शूरवीर खेतवाल और गोपाल सिंह नेगी सहित परिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

टक्कर मारने वाला चालक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : पौड़ी–देवप्रयाग मोटर मार्ग पर बीती 23 अक्तूबर को एक अनियंत्रित यूटीलिटी ने स्कूटी को टक्कर मार दी थी। जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि एक युवक घायल है। पुलिस ने यूटीलिटी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे कोर्ट में पेश किया गया। चालक के नशे में होने की पुष्टि भी हुई है। साथ ही पुलिस ने आरोपी चालक के लाइसेंस के निरस्तीकरण की संस्तुति भी की है।पौड़ी–देवप्रयाग मोटर मार्ग पर बीते रविवार शाम एक यूटीलिटी पौड़ी से देवप्रयाग की ओर जा रही थी। खांड्यूसैंण बाजार में यूटीलिटी ने पहले एक गाय को टक्कर मारी । जिसके बाद यूटीलिटी ने अनियंत्रित होकर खड़ी स्कूटी पर तेज टक्कर मार दी। स्कूटी में दो लोग सवार थे। जबकि स्कूटी के समीप ही एक युवक भी खड़ा था। दुर्घटना में यूटीलिटी पलट गई और उसकी चपेट में आने से स्कूटी सवार दब गए थे। जिनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि समीप खड़ा युवक घायल हो गया था। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। 108 आपातकालीन सेवा के माध्यम से घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल पौड़ी में भर्ती करवाया गया था। कोतवाल पौड़ी गोविंद कुमार ने बताया कि एक मृतक के परिजन की तहरीर पर यूटीलिटी चालक समेंद्र सिंह के खिलाफ तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाए जाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। कहा मेडिकल में चालक के नशे में होने की पुष्टि भी हुई है। बताया कि आरोपी चालक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से आरोपी चालक को जमानत मिल गई है। बताया कि चालक के ड्राइविंग लाईसेंस को निरस्त किए जाने की संस्तुति परिवहन विभाग को भेज दी गई है।

भैला खेलकर मनाया दीपावली का पर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले के राठ क्षेत्र में दीपावली का पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया गया। राठ क्षेत्र के कई गांवों में दीपावली के मौके ग्रामीण ढोल-दमाऊ और मसकबीन की धुन पर भैला नृत्य कर झूमते नजर आए। गढ़वाल क्षेत्र में कई जगह दीपावली मनाने के तौर तरीके देश के अनेक इलाकों से काफी अलग हैं। मान्यता है कि भैला खेलने से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। भैला को बड़ी बग्वाल के दिन जिस दिन ओंस अमावस्या होती है। उस दिन खेला जाता है। पुरानी परंपराओं को जीवित रखने का प्रयास करते हुए दीपावली के अवसर पर पौड़ी शहर के जिला चिकित्सालय के निकट लोगों द्वारा भैला बग्वाल का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपावली त्योहार के इस अवसर पर पटाखों की जगह भैलाखेल कर इस त्योहार को पारंपरिक और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम, आयोजक मंगल सिंह नेगी राठी, प्रदीप रावत आदि मौजूद रहे।

गौजेटा में पानी की किल्लत, प्राकृतिक स्रोत भरोसे ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ग्राम सभा पुलिंडा के अंतर्गत गौजेटा गांव में पिछले कई माह से पेयजल

ग्राम सभा पुलिंडा के अंतर्गत गौजेटा में बनी है पेजयल समस्या

समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए समस्या के निराकरण की मांग की है। कहा कि वह समस्या से कई बार जल संस्थान को अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा।

गौजेटा गांव में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए वर्षों पूर्व पेयजल लाइन बिछाई गई थी। लेकिन, पिछले कई माह से उक्त पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। नतीजा ग्रामीणों को पीने का पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

ग्रामीण गांव से तीन किलोमीटर दूर घनघोर जंगल के बीच बने प्राकृतिक स्रोत से पानी लाने को मजबूर हो रहे हैं। जंगल में हाथी व गुलदार की धमक से ग्रामीणों को हर समय खतरा बना रहता है। ग्रामीणो ं ने बताया कि कई बार जंगली जानवर उन्हें प्राकृतिक स्रोत के आसपास घूमते हुए भी दिखाई दे चुके हैं। पूर्व में ग्रामीण समस्या को लेकर जल संस्थान भी पहुंचे थे। लेकिन, अब तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा। इस मौके पर ग्रामीण सुशील रावत, कविता देवी, दिगंबर सिंह, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

गांव में पानी के इंतजार में सूखा पड़ा नल।

बाईक सवार ने युवती को मारी टक्कर, गंभीर

पौड़ी : शहर में इन दिनों तेज रफ्तार में घूमने वाले बाइकर लोगों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। ऐसी ही एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने एक युवती को टक्कर मार दी, जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।शहर की व्यस्ततम सड़क अपर बाजार, एजेंसी चौक, माल रोड, कोटद्वार रोड व श्रीनगर रोड सहित विभिन्न स्थानों पर इन दिनों तेज गति से वाहन दौडा रहे बाइकर्स शहरवासियों के लिए मुसीबत का सबब बने हैं। ये बाइकर्स आए दिन लोगों को चोटिल भी कर रहे हैं। इन तेज रफ्तार बाइकर्स के चलते कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है लेकिन प्रशासन इन बाइकर्स पर लगाम नहीं लगा पा रहा है। इन बाइकर्स के कारण शहर में कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। बीते सोमवार को दीपावली के अवसर पर कोटद्वार रोड के ईटीसी के पास देखने को मिला जहां पर तेज रफ्तार बाइकर्स द्वारा एक किशोरी को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। आनन-फानन में लोगों ने युवती को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां से युवती के परिजनों ने पुलिस में शिकायत भी करवाई। युवती के पिता जितेंद्र सिंह ने बताया कि दीपावली पर्व पर सोमवार की दोपहर को बाजार से घर लौटते समय ईटीसी गदेरे के पास एक तेज रफ्तार बाइकर्स द्वारा युवती को टक्कर मार दी गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसका जिला अस्पताल में उपचार करवाया गया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से तेज रफ्तार बाइकर्स पर लगाम लगाने की मांग उठाई है। जिससे कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

अपर कालाबढ़ क्षेत्र में हो रही दूषित पानी की आपूर्ति

समस्या को लेकर क्षेत्रवासियों ने दिया उपजिलाधिकारी को ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 12 अपर कालागढ़ बिशप हाउस रोड में पिछले कई दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। आक्रोशित लोगों ने समस्या के निराकरण को उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया है। कहा कि यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी एकजुट होकर आंदोलन करेंगे।

मंगलवार को समस्या के संबंध में पार्षद मिनाक्षी कोटनाला ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि उनके वार्ड में पिछले कई दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। पानी इतना गंदा है कि पीना तो दूर इसका किसी भी चीज में उपयोग नहीं कर सकते। पानी में सीवर की दुर्गंध आ रही है। ऐसे में वार्डवासियों को पानी के लिए इधर-उधर की दौड़ लगानी पड़ रही है। पेयजल समस्या के कारण वार्डवासियों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक परेशानी अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। पूर्व में जल संस्था को समस्या से अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या जस की तस बनी हुई है। इस मौके पर सत्यप्रकाश थपलियाल, संजीव चंद्र, बीडी जोशी, विकास रावत, आलोक कोटनाला, प्रदीप चंद्र, राकेश रावत, बृजमोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

बाल्टी में भरा गंदा पानी ।

मजीन कांडा मेला आज से, तैयारियां पूरी

श्रीनगर : श्रीनगर के अन्तर्गत रावतस्यू पट्टी के कांडा गांव में मंगलवार को मजीन कांडा मेले का आयोजन शुरु होगा। जिसको लेकर मंदिर समिति एवं प्रशासन द्वारा पूरी तैयारियां कर दी गई है। छोटी दिवाली के बाद शुरु होने वाले मेले को लेकर लोगों को काफी उत्साह रहता है। दूर-दराज से पहुंचकर लोग यहां झंडे के रूप में निशान लेकर यहां पहुंचते है और सिद्धपीठ मंजूघोषेश्वर महादेव मंदिर में चढ़ाते है।मजीन कांडा सेवा समिति के अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद भट्ट ने बताया कि मंदिर में लगने वाले दो दिवसीय कांडा मेले की तैयारियां पूरी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस प्रशासन से भी मेले में पूरा सहयोग की मांग की है। उन्होने कहा कि मंजूघोष मेले में सुसराल से बड़ी संख्या में पहुंची बेटियां को भी मेले के आयोजन को लेकर काफी इंतजार रहता है। जबकि दूर–दराज से लोग यहां अपनी कामना पूरी करने हेतु पहुंचते है। भट्ट ने कहा कि दो दिनों तक चलने वाले मेले में पहले दिन कम निशान चढ़ते है, जबकि दूसरी दिन अधिक निशान चढ़ते है। उन्होंने बुधवार से शुरु होने वाले मेले में अधिक से अधिक लोगों को पहुंचने का आह्वान किया है।

नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष का शिक्षकों ने किया भव्य स्वागत

श्रीनगर : राजकीय शिक्षक संघ देहरादून के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह कंडारी का श्रीनगर पहुंचने पर शिक्षकों व स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कंडारी ने भी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की ज्वलंत समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया है। प्रकाश पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर श्रीनगर के न्यू कमलेश्वर मोहल्ला स्थित कंडारी आवास में आयोजित नागरिक सम्मान समारोह का संचालन करते हुए राजकीय शिक्षक संघ जखोली रुद्रप्रयाग के पूर्व अध्यक्ष सुनील मैठाणी ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह कंडारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया व बधाई दी। कहा कि कंडारी की जीत से शिक्षकों की ज्वलंत समस्याएं हल होंगी। कर्णप्रयाग ब्लाक के राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष चन्द्र मोहन सिंह रावत,कमलेश बलूनी, बीरेंद्र सिंह राणा, सन्तोष नेगी आदि शिक्षकों ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह कंडारी का माल्यार्पण किया। मौके पर डा. ताजबर कंडारी, देहरादून के राशिसं के शीशपाल सिंह, राकेश चन्द्र गोस्वामी, हरीश चंद्र सेमवाल, कैप्टन सुरेंद्र सिंह नेगी, सीमा कंडारी, आयुष आदि मौजूद रहे।

दीपों से रोशन हुआ शहर, खूब हुई आतिशबाजी

कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई दीपावली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व दीपावली सोमवार को कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई। लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मिठाईयां बांटी।

देर रात तक शहर में आतिशबाजी होती रही। वहीं, दीपों से पूरा शहर रोशन हो उठा।

दिवाली के अवसर पर लोगों ने दिन की शुरुआत इंटरनेट मीडिया पर अपने जानकारों को बधाइयां देने से की। फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम सहित सभी इंटरनेट मीडिया पर दिवाली के मैसेज दिनभर चलते रहे। जो लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से नहीं मिल सके उन्होंने फोन पर ही शुभकामनाएं दीं। वहीं इंटरनेट पर वीडियो और फोटो डालकर लोगों ने दिवाली का जश्न भी दिखाया। दीपावली पर लोगों ने एक–दूसरे को मिठाइयां और अन्य तोहफे देकर शुभकामनाएं भी दी। दीपावली के दिन बाजारों में भी पूरे दिन तक रोनक छाई रही। इसके बाद लोगों ने लक्ष्मी माता व गणेश की पूजा कर शाम ढलते ही खूब पटाखे भी छोड़े। देर रात तक पूरा शहर दीपावली के जश्न में डूबा हुआ था।

दीपावली पर आतिशबाजी करते लोग

अल्मोड़ा में तापमान में गिरावट, बढ़ी ठंड

अल्मोड़ा। अक्तूबर के अंतिम दिनों में अब सुबह–शाम ठंड में इजाफा हो रहा है। न्यूनतम तापमान में हर दिन गिरावट दर्ज की जा रहीं है।

पारा हर रोज 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच रहा है। हांलाकि दिन में धूप खिलने से फिलहाल मौसम सुहावन बना है। मंगलवार को भी जिला मुख्यालय में न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में गिरावट के चलते ठंड में भी एकाएक इजाफा हो गया है। हांलाकि दिन में धूप खिलने से पारा करीब 30 डिग्री के पास पहुंच गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इधर, ठंड में इजाफा होने से लोग अब गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं।(एजेन्सी)

जिले में आठ दरोगाओं के तबादले

चम्पावत : चम्पावत में पुलिस कप्तान ने जिले के भीतर आठ दरोगाओं को इधर से उधर किया है। एसओजी प्रभारी मनीष खत्री को लोहाघाट थाने का नया एसओ बनाया गया है।

मंगलवार को एसपी देवेंद्र पींचा ने आठ दरोगाओं के जिले के भीतर तबादले किए हैं। जसवीर चौहान के स्थानांतरण के बाद लोहाघाट में मनीष खत्री को कमान सौंपी गई है। इसके अलावा पाटी थाने के एसओ बच्ची सिंह बिष्ट को टनकपुर कोतवाली में एसएस-ाआई बनाया है। चम्पावत कोतवाली में तैनात एसएसआई देवनाथ गोस्वामी को थानाध्यक्ष पाटी बनाया गया है। प्रभारी साइबर सेल एसआई सुरेंद्र सिंह खड़ायत को प्रभारी एसओजी व साइबर सेल सौंपा गया है। (एजेन्सी)

सूबेदार खुशाल को दी अंतिम विदाई

बागेश्वर, : बागेश्वर जिले के दुग–नाकुरी तहसील के बनलेख के सली गांव निवासी सूबेदार की बंगलुरू में 22 अक्टूबर को हार्ट अटैक से मौत हो गई। सोमवार की देर शाम उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव लाया गया। मंगलवार को सरयू संगम पर गमगीन माहौल में उनकी अंत्येष्टि की गई। कौसानी से आई सेना की टुकड़ी ने सूबेदार को अंतिम सलामी दी। स्वजनों से मिली जानकारी के अनुसार बनलेख के सलीगांव निवासी 49 वर्षीय सूबेदार खुशाल सिंह कोरंगा पुत्र गोपाल सिंह बंगलुरु में एएससी में सूबेदार के पद पर तैनात थे।22 अक्तूबर को उनकी तबियत अनाचक बिगड़ गई। उनके सीने में तेज दर्द हुआ। उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। सूचना के बाद उनके भाई पूर्व हवालदार दीवान सिंह बंगलुरु गए और सोमवार को शव लेकर गांव पहुंचे।मंगलवार की सुबह परिजनों की अश्रुपूरित विदाई के बाद शवयात्रा शुरू हुई। उसके बाद सरयू संगम पर उनकी अंत्येष्टि की गई। सहायक जिला सैनिक कल्याण अधिकारी आरसी तिवारी व कैलाश पंत ने जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र चढ़ाया।कौसानी से जीन सिंह के नेतृत्व सिंगनल कोर की टुकड़ी पहुंची और जवान को अंतिम सलामी दी। चिता को मुखाग्नि उनके बेटे निर्मल ने दी। उनके निधन पर विधायक कपकोट सुरेश गड़िया, पूर्व मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी आदि ने गहरा दुख जताया है।(एजेन्सी)

बागेश्वर में दीवाली की रात गुंडों ने मचाया उत्पात, तीन लोगों का फोड़ा सिर

बागेश्वर, दीपावली पर्व पर शहर में अराजकता का माहौल रहा। लगभग दस युवाओं ने जमकर शहर में हुड़दंग मचाया। तीन लोगों के सिर धारदार हथियार से फोड़ दिए। पुलिस ने आरोपित लगभग दस युवाओं के विरुद्ध बलुआ में ममला पंजीकृत किया है। आरोपितों की धरपकड़ तेज कर दी है। उसके बाद नुमाइशखेत निवासी शिवम साह 30 वर्ष पुत्र सुरेश साह और सुमित दुबे 30 वर्ष पुत्र निर्मल कुमार पर गुंडों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों के सिर फोड़ दिए गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया।

जहां उनका उपचार हुआ। डाक्टरों के अनुसार दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। व्यापारियों के सिर फोड़ने की सूचना पर अन्य व्यापारी भी सक्रिय हो गए। उन्होंने कोतवाली का घेराव किया। आरोपित युवाओं के विरुद्ध का-र्रवाई की मांग की। (एजेन्सी)

उप नेता सदन कापड़ी ने दस कार्य सीएम को भेजे

रूद्रपुर : खटीमा विधायक उप नेता भुवन कापड़ी ने सीएम पुष्कर धामी और विधानसभा सचिव को क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए दस मांगे से भरा पत्र भेजा है। यह जानकारी उन्होंने मंगलवार को अपनी प्रेसवार्ता में दी है। बताया कि सीएम ने प्रत्येक विधानसभा में विधायकों से क्षेत्र में होने वाले प्रमुख कार्यों का प्रस्ताव मांगा है। इसी लिए कापड़ी ने खुद के द्वारा भेजे गए प्रमुख मांगों को प्रेस के सामने बताया ।बताया कि इसमें खटीमा नगर पालिका क्षेत्र के अन्तर्गत जल भराव से निजात के लिए सिवर लाईन का निर्माण, गौशाला का निर्माण, अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए अम्बेडकर छात्रावास का निर्माण, पुस्तकालय का निर्माण, समूह से जुड़ी महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उच्च स्तरीय हत्थकरघा प्रशिक्षण एवं विपणन केन्द्र, विधान सभा क्षेत्र के वार्डों में सात किलोमीटर इन्टरलॉक टाइल्स रोड का निर्माण,गांगी जीरो बन्दा से नानक सागर मुख्य मार्ग तक मार्ग का निर्माण, सिरसैया के तोक मैलाघाट गांव के अन्तर्गत तीन किलोमीटर तक इन्टरलॉक टाइल्स, नगर पालिका के अन्तर्गत बह रहे खकरा व ऐठा नाले के ऊपर कवर करते हुए मार्ग का निर्माण है।

रानीखेत में बैल ने हमला कर पिता को मार डाला

रानीखेत, अल्मोड़ा जिले के रानीखेततहसील मुख्यालय के सुदूर खोल्टा गांव में बैल ने ग्रामीण पर हमला बोल दिया।

गंभीर रूप से घायल होने के कारण हल्द्वानी ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पिता को बचाने के प्रयास में आक्रामक बैल ने उसके पुत्र को घायल कर दिया, साथ में मौजूद दो बच्चों ने भाग कर जान बचाई। आरोप है कि गांव के ही व्यक्ति ने तीन वर्ष पूर्व बैल को बेसहारा कर गोशाला से निकाल दिया था जो अब हमलावर हो गया है। कुंवाली क्षेत्र के कुलसीबी ग्रामसभा के खोल्टा गां निवासी दिगंबरदत्त तिवारी पुत्र स्व. ख्याली राम (78) विगत रविवार शाम अपने दो पोतों को लेकर अपनी दुकान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आवारा बैल ने हमला कर दिया। बैल के आक्रामक रुख को देख लोगों ने हो हल्ला किया।

दिगंबरदत्त का पुत्र हेम चंद्र तिवारी अपने पिता को बचाने दौढ़ा मगर हमले में वह भी घायल हो गया और उसका पांव फ्रैक्चर हो गया। दादा पर बैल के हमले से घबराए दोनों पोतों ने जैसे तैस भागकर जान बचाई। बमुश्किल बैल के चंगुल से छुड़ाने के बाद गांव के ग्रामीणों ने कराह रहे दिगंबर व उसके पुत्र को पीठ पर लाद कर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। दिगंबर की हालत नाजुक देख रेफर कर दिया गया। हल्द्वानी ले जाते समय रास्ते में घायल दिगंबर दत्त ने दम तोड़ दिया। दीपावली की खुशियां मातम में बदल गई। मृतक के पुत्र प्रकाश चंद्र व स्वजनों के अनुसार वर्षों तक खेत जोतने के लिए बैल का इस्तेमाल कर उसे बेसहारा छोडना ही मौत की वजह बन गई। यह भी आरोप है कि दोषी पशुपालक को कई बार बताने के बावजूद वह बैल को घर ले जाने के बजाय उल्टा ग्रामीणों को धमका रहा है।

बैल को गोशाला भेजने पर जोर

इधर ग्राम प्रधान प्रेमा मेहरा, भूपेंद्र सिंह, नवीन चंद्र व राजेंद्र तिवारी ने आशंका जताई कि लापरवाह बैल के आक्रामक होने से स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए भी खतरा बना हुआ है। लोगों ने गम व गुस्से के बीच डीएम से आक्रामक बैल को गोशाला भेजने, पशुपालकके खिलाफ कार्रवाई करने तथा मृतक के स्वजनों को मुआवजा दिए जाने का आग्रह किया है।

(एजेन्सी)

बीमार महिला को कंधे पर लेकर दस किमी. पैदल चले ग्रामीण

पिथौरागढ़, मानसून काल समाप्त हो चुका है। लेकिन पिथौरागढ़ जिले में सीमा छोर पर फीट की ऊंचाई पर स्थित एक महिला की तबीयत अचानक खराब होने से ग्रामीणों को उसे दस किमी दूर तक डोली से पहुंचाना पड़ा। जून माह में मार्ग बंद होने के बाद अक्टूबर तक नहीं खुलने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। बौना गांव मुनस्यारी तहसील का अति दुर्गम गांव है।। बौना गांव को जोडने वाली सड़क बीते जून माह में बंद हो गई थी। 22 किमी मदकोट –बौना मार्ग झापुली से बंद सड़क अभी तक नहीं खुल सकी है। आलम यह है कि दीपावली के दिन साढ़े आठ हजार बौना तक अभी भी बंद है। गांव निवासी पूर्णिमा देवी पत्नी नवीन सिंह की तबीयत अचानक खराब हो गई। महिला की हालत गंभीर होते देख कर स्वजन और ग्रामीण उसे डोली से दस किमी दूर झापुली तक लाए। बौना से झापुली तक का पैदल मार्ग की दशा अत्यधिक खराब है। क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग से ग्रामीणों ने महिला को झापुली तक पहुंचाया । जहां से फिर वाहन से महिला को मदकोट स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। पांच माह बाद भी मार्ग नहीं खुलने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। गांव निवासी राम सिंह महर,प्रदीप सिंह रावत, गजेंद्र , रमेश ,राजू , सोनू का कहना है कि सड़क खोलने के लिए न तो लोनिवि पहल कर रही है और नहीं प्रशासन संज्ञान ले रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं एनएसयूआइ के जिला उपाध्यक्ष विक्रम दानू ने बताया कि मार्ग खोलने के लिए दो बार तहसील मुख्यालय जाकर उपजिलाधिकारी से मांग की गई थी और अधिशासी अभियंता लोनिवि डीडीहाट को भी दो बार ज्ञापन दिया गया है, परंतु कोई सुनने वाला नहीं है। एक सप्ताह के बीच मार्ग नहीं खुला तो ग्रामीण डीडीहाट जाकर लोनिवि कार्यालय का घेराव करते हुए धरना, प्रदर्शन करेंगे।

गडेरी व पिड़ालू बर्बाद कर रहे बंदर और आवारा पशु

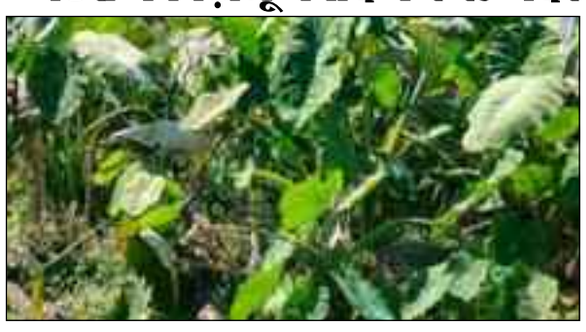

चंपावत, जिले के ग्रामीण इलाकों में जंगली सुअर और बंदरों का आतंक लगातार जारी है। दिन के समय बंदर, लंगूर और बेसहारा पशु खेती को चौपट कर रहे हैं तो रात के समय सुअर और सेही खेती से दुश्मनी निकाल रहे हैं।

सुअरों द्वारा खेतों में तैयार हो रही गडेरी और पिड़ालू (पहाड़ी अरबी) को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। चंपावत के चल्थी, सूखीढांग के अलावा नेपाल सीमा से लगे मंच तामली क्षेत्र में 40 प्रतिशत से अधिक पिड़ालू और गडेरी जंगली जानवरों की भेंट चढ़ चुकी है। काश्तकारों ने मैदान की तर्ज पर जंगली जानवरों के आतंक से निजात के लिए सोलर फेंसिंग लगाने की मांग तेज कर दी है।

गडेरी और पिड़ालू ग्रामीणों की आय का प्रमुख साधन है। घाटी और उंचाई वाले क्षेत्रों में इस सब्जी की खेती की जाती है। चल्थी और सूखीढांग क्षेत्र के ग्रामीण हर सीजन में गडेरी और पिड़ालू बेचकर पांच से छह माह तक का खर्च निकाल लेते हैं। (एजेन्सी)

युवक ने गोली मारकर की आत्महत्या, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

काशीपुर। प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव मिलने पर मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं सूचना पर पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को उठाने का प्रयास किया। तो परिजनों के साथ ही अन्य लोगों ने हंगामा काटना शुरू कर दिया। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपी की गिरफ्तारी न होने तक शव नहीं उठाने की चेतावनी दे डाली। पुलिस ने किसी तरह शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवाया। सोमवार की सुबह पुलिस को गन्ना मिल रोड स्थित गन्ना सोसाइटी के पास युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। सूचना पर टांडा उज्जैन चौकी प्रभारी मनोज जोशी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। मृतक के दाहिने की कनपटी में गोली लगी हुई थी। साथ ही मौके पर 315 बोर का तमंचा पड़ा मिला। युवक की शिनाख्त मौ. टांडा उज्जैन निवासी गिरीश ठाकुर पुत्र विजय सिंह के रूप में हुई। पंचनामा के दौरान मृतक की जेब से एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने का प्रयास किया लेकिन मौके पर एकत्र भीड़ ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा काटना शुरू कर दिया। उन्होंने हत्यारोपियों की गिरफ्तारी न होने तक शव नहीं उठाने देने की चेतावनी दी। गुस्साई भीड़ ने टांडा तिराहे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर एएसपी चंद्रमोहन सिंह, कोतवाल मनोज रतूड़ी भी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हत्यारोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसपर परिजन शांत हो गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने शाम तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर एक बार फिर टांडा चौराहे पर जाम कर दिया। करीब आधे घंटे जाम के दौरान पुलिस को रूट डायवर्ट करना पड़ा। पुलिस ने पिता की तहरीर पर संदेह के आधार पर छह नामजद समेत 30 अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के दौरान सामने आया कि युवक का एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसकी कुछ दिनों बाद शादी होने वाली थी। इससे वह डिप्रेशन में था। सोमवार को उसने अपने एक परिचित से तमंचा लिया और घर से कुछ दूर पर ही एक सुनसान जगह पर अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एएसपी, काशीपुर चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि विवेचना के दौरान सामने आया कि युवक ने खुद ही गोली मारकर आत्महत्या की है। जांच में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है। (एजेन्सी)

गौशाला में लगी आग, छः मवेशियों की मौत

चम्पावत : लधिया घाटी के परेवा में एक गौशाला आग की चपेट में आ गई। घटना में छः मवेशियों की जल कर मौत हो गई। आग लगने की वजह का पता नहीं चल सका है। लोगों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की है।सोमवार देर रात लधिया घाटी के परेवा गांव के सल्लाथान तोक में एक गौशाला में अचानक आग लग गई। घटना में गणेश नाथ की एक दुधारू गाय, भैंस, दो बैल और दो बछिया की जल कर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने नौले से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक घास और लकड़ी से बनी पूरी गौशाला आग की चपेट में आ चुकी थी। रीठासाहिब के थानाध्यक्ष दीवान सिंह जलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।(एजेन्सी)

घर में लगी आग, लाखों का नुकसान, हादसा टला

पिथौरागढ़। चौदास वैली स्थित हिमखोला के एक मकान में आग लग गई। गनीमत रही कि हादसे में घर में मौजूद सभी छह लोग आग की चपेट में नहीं आए। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया, लेकिन आग के कारण घर में मौजूद सारा सामान जलकर राख हो गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। हिमखोला में बीते सोमवार को भवान सिंह के परिवार दीप पर्व उत्साह से मनाया और परिवार के सुख–समुद्धि की कामना की, लेकिन चंद घंटों बाद ही परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। भवान ने बताया कि लक्ष्मी पूजा के बाद सभी लोग सोने चले गए। रात दस बजे के करीब एकाएक घर से जलने की महक और धुंआ उठने लगा।

उन्होंने उठकर देखा तो रसोई घर व एक अन्य कमरे में आग लगी हुई थी। उन्होंने अंदर सोए परिवार के अन्य पांच सदस्यों को जगाया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि आग के कारण घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है।इससे उन्हें आठ लाख से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। मंगलवार को उन्होंने तहसील मुख्यालय पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन देकर मुआवजे की मांग की है। दुर्घटना का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

(एजेन्सी)

नेकी की दीवार बनी मददगार

पिथौरागढ़। सीमांत में गरीब, असहाय लोगों के लिए नेकी की दीवार उम्मीद बनकर आई है। ठंड के दिनों में सीमांत के युवा जिले भर में स्टॉल लगाकर जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े, कंबल, बर्तन आदि बांटते हैं। पिछले नौ सालों में नेकी की दीवार ने 20 हजार से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया हैं। बढ़ती ठंड को देख युवाओं ने इस बार भी स्टॉल लगाने का निर्णय लिया है। नेकी की दीवार के संयोजक सुशील खत्री बताते है कि सीमांत यूथ मोर्चा के सदस्य वर्ष 2013 से जिला मुख्यालय सहित धारचूला, बेरीनाग व अन्य क्षेत्रों में नेकी की दीवार कार्यक्रम के तहत स्टॉल लगा रहे है। बताते है कि उनकी टीम जिनके पास आवश्यकता से अधिक कपड़े, बर्तन, जूते, कंबल व अन्य सामग्री होती है। ऐसे लोगों से सामाग्री एकत्र करते हैं। बाद में अच्छे कपड़े छांटकर जिले के विभिन्न हिस्सों में स्टाल लगाते हैं। जरूरतमंद व्यक्ति अपनी जरूरत के मुताबिक सामग्री पसंद कर ले जाते हैं।

बताया कि पिछले नौ सालों में उन्होंने नेकी की दीवार के माध्यम से बीस हजार से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाया है। इनमें अधिकतर लोग गर्म कपड़े लेकर गए। इसके अलावा नेकी की दीवार आपदा पीड़ितों की मदद करती है। उन्होंने कहा कि आगे भी उनका यह अभियान जारी रहेगा। (एजेन्सी)

मां वाराही धाम देवीधुरा में 51 हजार दीप जलाए

चम्पावत : दीपावली पर्व पर मां वाराही धाम 51 हजार दीपों से जगमगा उठा। दीपदान कार्यक्रम के तहत मंदिर में दीप जलाए गए। ग्रामीणों ने घर से दीपक लाकर दीपदान कार्यक्रम में सहयोग किया।दीप पर्व पर सोमवार को प्रसिद्ध मां वाराही धाम देवीधुरा में दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 51000 दीप जलाए गए। सोमवार शाम से ही क्षेत्र के लोगों ने दीपदान कार्यक्रम में प्रतिभाग करना शुरू कर दिया था। छात्र संघ अध्यक्ष प्रकाश मेहरा ने बताया कि दीपदान कार्यक्रम को लेकर तीन दिन पूर्व से ही मंदिर को सजाने के लिये बालिकाओं ने ऐपण, रंगोली, पेंटिंग आदि कार्य शुरू कर दिए थे। मंदिर को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। बताया कि सोमवार को मंदिर परिसर के साथ ही अन्य क्षेत्र में भी दीप जलाए गए। (एजेन्सी)

सुखी घास में लगी आग

सितारगंज। दीपावली के दिन कहीं से उड़कर आए रॉकेट से सितारगंज रोड में एक खेत में खड़ी सूखी घास ने आग पकड़ ली। सूखी घास में आग लगने से इतनी उंची–उंची लपटें निकलने लगी कि आसपास के मकानों में रह रहे परिवार सकते में आ गए। यहां रह रहे परिवारों की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। सितारगंज रोड में नितिन रस्तोगी की जमीन है। जिसके आगे दुकानें बनी हैं और एक डिपार्टमेंटल स्टोर निर्माणाधीन है। खेत में बड़ी–बड़ी झाड़ियां उग आई हैं जो सूखी हुई है। दिवाली के दिन किसी ने रॉकेट छोड़ा होगा जो इन झाड़ियों में गिरा। जिससे यहां पर आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की काड़ी मौके पर पहुंची। जिससे समय रहते आग पर काबू पाया जा सका जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।(एजेन्सी)

दीपावली में सजे घर, मंदिर, गौंवश की पूजा की

चमोली : दीपावली पर पहाड़ के गांवों से लेकर घरों, मंदिरों और चौपालों में धूमधाम रही। लड़ियों और फूलों से घरों और मंदिरों को सजाया गया। लोगों ने इस अवसर पर अपनी खुशियों के साथ-साथ गोवंश की पूजा भी की गई।

दीपावली पर बदरीनाथ मंदिर को फूलों से सजाया गया। रात्रि भर रोशनी से मंदिर जगमगाता रहा। भगवान बदरी विशाल और महालक्ष्मी, कुबेर जी की विधिवत विशेष पूजा अर्चना की गयी। गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर के शीर्ष पर तेल कलश जलाने के बाद ही नगर और गांवों में लोगों ने अपने घरों में मान्यता अनुसार दीप जलाये। गांवों में भेरू खेले गये। दाकुड़ी नृत्य किए गए। पोखरी के कुमेडा गांव में दीवाली के अवसर पर झुमेलो, दाकुड़ी, रस्सा कस्सी व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। गैरसैंण विकासखंड़ में दीप पर्व दीपावली हर्ष एवं उल्लास में मनाई गई। इस मौके पर लोगों ने अपने आशियानों को बिजली की लड़ियों से सजाया था। वही दोपहर हो कस्बाई बाजारों में खूब रौनक रही। शाम को लक्ष्मी पूजन उपरांत आतिशबाजी भी हुई। हालांकि इस वर्ष आतिशबाजी बहुत कम हुई। गैरसैंण, मेहलचौंरी, माईथान, आदिबदरी, नंदासैंण, रोहिड़ा, भराड़ीसैंण, नागचुलाखाल आदि स्थानों पर लोगों ने पारंपरिक रूप से दीपावली मनाई। एसओ गैरसैंण संपूर्णानंद जुयाल ने बताया कि पूरे गैरसैंण थाना अंर्तगत दीपावली शांति पूर्वक मनाई गई। (एजेन्सी)

नई टिहरी से देवप्रयाग के लिए बस सेवा शुरू की जाएं

नई टिहरी : जिला मुख्यालय नई टिहरी से देवप्रयाग के लिए बस सेवा का संचालन नहीं होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। देवप्रयाग के लोगों ने नई टिहरी से देवप्रयाग के लिए बस सेवा शुरू करने की मांग की है।देवप्रयाग निवासी सीताराम भट्ट तथा महेश प्रसाद ने कहा कि पूर्व में नई टिहरी से देवप्रयाग के लिए करीब तीन-चार बसों का नियमित संचालन होता था, लेकिन बीते सालों से धीरे-धीरे बसों की संख्या में कटौती कर बंद कर दी गई। बताया वर्तमान में केवल डाक बस सेवा का ही संचालन होता है। वह भी नियमित नहीं चलती है। जिस कारण क्षेत्रवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। देवप्रयाग के लिए बसों का संचालन नहीं होने से कई बार क्षेत्रवासियों को रात को मुख्यालय में ही रुकना पड़ता है।

शौचालय का नव निर्माण कर जनता को समर्पित किया

जयन्त प्रतिनिधि।

श्रीनगर : स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्टॉप टीयर्स द्वारा मंजुघोष कांडा मेले से पहले दिन देलचौरी बाजार में जीर्णशीर्ण पड़े शौचालय का नव निर्माण कर जनता को समर्पित किया गया। लोगों द्वारा स्वच्छता के लिहाज से उक्त कार्य करने पर संस्था का आभार प्रकट किया।देलचौरी व्यापार संघ और ग्रामीणों द्वारा समाजसेवी संस्था स्टॉप टीयर्स को काफी समय से जीर्णशीर्ण पड़े देलचौरी बाज़ार के शौचालय की मरम्मत के लिये निवेदन किया था। देलचौरी बाज़ार लगभग 40 ग्राम का मुख्य बाज़ार है और मंजुघोष कांडा मंदिर का मुख्य पड़ाव भी है। समाजसेवी संस्था स्टॉप टीयर्स द्वारा बहुराष्ट्रीय कंपनी एकाम के सीएसआर के माध्यम से देलचौरी बाज़ार में जीर्णशीर्ण पड़े शौचालय का नव निर्माण किया गया। एकाम और स्टॉप टीयर्स द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा में साथ-साथ काफी कार्य किया जा रहा है। देलचौरी में शौचालय का उद्घघाटन उत्तराखंड के कलाकार विमल बहुगुणा और देलचौरी व्यापर मंडल अध्यक्ष कलम सिंह द्वारा किया गया। विमल बहुगुणा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के लिये इसे एक बेहतरीन कार्य बताया। इस मौके पर स्टॉप टीयर्स संस्था के संस्थापक प्रमोद बमराड़ा, राधाकृष्ण बमराड़ा, देवेन्द्र बिष्ट, ब्रिजमोहन, भट्ट, रघुवीर सिंह रावत, धर्मबीर सोनी, उत्तम राणा, अनूप पंवार, प्रमोद बमराडा, बसंती देवी, मनोज राणा, हरदीप कंडारी आदि शामिल रहे।

घंटाकर्ण मंदिर में हवन और भंडारे के साथ पूजन संपन्न

नई टिहरी : नरेन्द्रनगर विधानसभा के गजा घंडियाल डांडा स्थित घंटाकर्ण मंदिर में तीन दिवसीय पूजन कार्यक्रम हवन और भंडारे के साथ संपन्न हुआ। पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रतिभाग किया। गजा के घंडियाल डांडा स्थित घंटाकर्ण मंदिर में विगत कई वर्षों से दीपावली पर्व पर तीन दिवसीय पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। पूजन समापन पर श्रद्धालुओं के लिये भंडारे का आयोजन किया जाता है।

चोरी हुए विक्रम के साथ तीन लोग गिरफ्तार

ऋषिकेश। कोतवाली पुलिस ने 21 अक्तूबर की रात ऋषिकेश के कालेकीढाल से चोरी हुए विक्रम के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त बाइक सीज की है। चिकित्सीय परीक्षण के बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता में विक्रम चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी डीसी ढौंडियाल ने बताया कि 23 अक्टूबर को मोतीलाल पुत्र स्व. धनवीर, निवासी गली 3 बीसबीघा, ऋषिकेश ने शिकायत दर्ज कराई थी 21 अक्टूबर की रात हरिद्वार रोड पर कालेकीढाल में बाइक शोरूम के सामने खड़ा विक्रम चोरी हो गया है। चोरी का मुकदमा दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुट गई। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिर सक्रिय किए। इस बीच चोरी हुए विक्रम की लोकेशन की सूचना हरिद्वार जनपद के भुक्कनपुर में मिली। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर मंगलवार सुबह भुक्कनपुर में दबिश देकर चोरी हुए विक्रम के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। हत्थे चढ़े आरोपियों की पहचान शाहिद पुत्र अकबर, निवासी ग्राम घिस्सुपुरा पथरी जिला हरिद्वार, मुर्सलीन पुत्र शाहिद, निवासी धनपुरा पथरी, जनपद हरिद्वार और दिलशाद पुत्र तहसीन, निवासी ग्राम भुक्कनपुर पथरी, जिला हरिद्वार के रूप में कराई है।

टी–20 गोल्ड कम हेतु दिव्यांग क्रिकेट टीम का चयन

देहरादून। दिव्यांग क्रिक्रेट एसोसिएशन की ओर से 29 और 30 अक्टूबर को टी–20 दिव्यांग क्रिक्रेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए टीम का चयन कर लिया गया।

दिव्यांग क्रिक्रेट एसोसिएशन उत्तराखंड के कोच गिरीश पटवाल ने बताया किया टूर्नामेंट आयुष क्रिक्रेट एकेडमी में होगा। जिसमें उत्तराखंड के अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश की टीमें हिस्सा लेंगी। ये रहेगी टीमः परमिल चौधरी (कप्तान), मनोज कुमार राठौर (उप–कप्तान), दलीप, नीरज मौर्या, विनोद कैड़ा, हरप्रीत, किशन कोरंगा, संतोष अधिकारी, नरेश सकलानी (विकेटकीपर), विकास, कवीन्द्र दानु, रोहताश कुमार और निर्मल गोस्वामी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया दीपावली पर्व

नई टिहरी : टिहरी में दीपवाली पर्व धूमधाम से मनाया गया, दीपावली पर नई टिहरी सहित विभिन्न कस्बों तथा ग्रामीणों क्षेत्रों में लोगों ने एक दूसरे को मिठाई देकर, आतिशबाजी कर और भैलों खेलकर एक दूसरे को दीपावली पर्व बधाई दी। उधर विधायक किशोर उपाध्याय ने अपने गांव पाली में दीवाली मनाई ।टिहरी जिले के नई टिहरी, चंबा, देवप्रयाग, नरेन्द्रनगर, घनसाली, चमियाला, थत्यूड़, लंबगांव सहित अन्य बड़े–छोटे कस्बों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। दीपावली पर्व पर नई टिहरी में बच्चों ने पटाखे फोड़े,वहीं महिला और पुरुषों ने अपने आस पास और सगे संबधियों को मिठाई, खील बतासे दल की पकोड़ी और स्वाले देकर दीपवाली का त्योहार मनाया। नई टिहरी में लोगों ने अपने मोहल्लों में डीजे लगाकर गढ़वाली, जौनसारी, कुमाऊनी और हिंदी गानों पर डांस किया। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने दीपावली पर्व घरों में दाल की पकोड़ी और स्वाले बनाये। भैला खेलकर, ढोल दमाऊकी थाप पर देर रात डांस किया। नई टिहरी नगर में नगर पालिका की ओर दीपावली पर्व पर बौराड़ी में घंटाघर को विभिन्न प्रकार की लाइटों से सजाया गया था। पर्यटन नगरी धनौल्टी में भी देर रात तक लोगों ने दीपावली का त्योहार मनाया। (एजेन्सी)

बावर में पांच दिवसीय दीपावली पर्व का जश्न शुरू

विकासनगर। बावर के कई गांवों में होलियात के साथ पांच दिवसीय नई दीपावली का जश्न शुरू हो गया है। बाशिक महासू महाराज मंदिर मैंद्रथ में ग्रामीणों ने चीड़ और भीमल की लकड़ी के होलड़े (मशालें) जलाकर पर्व की खुशियां बांटी। इसके साथ ही खत समाल्टा के बारह गांवों में भी नई दीपावली का पर्व शुरू हो गया है। ग्रामीणों में पर्व को लेकर उल्लास देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने दिनभर मेहमानों की आवभगत के बाद शाम को पंचायती आंगनों में एकत्र होकर पटाखों की बजाय होलड़े जलाकर इको फ्रेंडली पर्व का संदेश दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने सामूहिक तौर पर लोकनृत्य किया। चारे गाणे महासू..., चारीओ भाई..., आटेरी दुर्गा माई..., कोदी जांदी भाभी मेरी मैते तू..., ऐ जमाना कोड़ी जुग्गो का..., आमे लासी नोसी बीबी बानारो मुल्का..., ढाकिया ढाक बाजलू बाणू..., मुखे आया मिलदी तयूनी रे... आदि गीतों पर देर रात तक महिला पुरुष झूमते गाते पर्व की खुशियां बांटते रहे। अगले पांच दिनों तक चलने वाले इस पर्व के दूसरे दिन भिरुड़ी मनाई जाएगी। उधर, पर्व को लेकर गांवों के साथ स्थानीय बाजार भी गुलजार रहे। त्यूणी सहित क्षेत्र के प्रमुख बाजार मैंद्रथ में पर्व को लेकर लोगों की भीड़ उमड़ी रही। ग्रामीणों ने पर्व से संबंधित खरीदारी के लिए देर रात तक बाजारों में डेरा डाले रखा। बाजारों में प्रमुख रूप से चिवड़ा, मुरमुरे सहित पूजा का सामान और दीपावली के लिए इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं के साथ कपड़े की खरीदारी की। ग्रामीण वीरेंद्र जोशी, राजेन्द्र जोशी, अजबीर सिंह, अरविंद, सालकराम, देवेंद्र रावत, विरेंद्र रावत, भाव सिंह रावत आदि ने बताया कि बदलते सामाजिक परिवेश के कारण खत बावर, देवघार, बाणाधार, मशक क्षेत्र के महासू मंदिर हनोल, मैंद्रथ, रायगी, अणू, मुंधोल, बास्तील, कूणा, बृनाड़, चिल्हाड़, भंद्रोली, चांजोई, डुंगरी, त्यूणा, हटाड़, कोटी–कनासर, संताड़, रजाणू, सैंज, अमराड़, केराड़, नायली, किस्तूड़, सारनी, जबराड़, रड्डू, शिलवाड़ा समेत पांच दर्जन से अधिक गांवों में इन दिनों नई दीपावली का जश्न है।

हिमाचल में कांग्रेस के स्टार प्रचारक होंगे हरीश रावत

देहरादून। हिमाचल विधानसभा चुनाव को कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में उत्तराखंड से पूर्व सीएम हरीश रावत का नाम है। वह उत्तराखंड से कांग्रेस के अकेले प्रचारक होंगे।

इससे पहले भाजपा की ओर से जारी सूची में भी उत्तराखंड से सिर्फ मुख्यमंत्री सीएम पुष्कर धामी का ही नाम ही स्टार प्रचारकों में शामिल था। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में उत्तराखंड से सिर्फ अकेले पूर्व सीएम हरीश रावत को स्थान मिला है।

इस सूची में उत्तराखंड से न प्रदेश अध्यक्ष और न ही नेता प्रतिपक्ष स्टार प्रचारक बन पाए। सूची में हरीश रावत के नाम को लेकर चर्चा है कि उन्होंने एक बार फिर दिल्ली हाईकामन में अपनी मजबूत स्थिति को साबित करवाया है।

एयरपोर्ट पर टैक्सी चालक को पीटा, टैक्सी यूनियन ने किया हंगामा

ऋषिकेश। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवानों ने एक टैक्सी चालक की पिटाई कर डाली। जिसके बाद टैक्सी यूनियन ने एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा काटा। एयरपोर्ट पर प्राइवेट वाहन के सवारी भरने पर विवाद हुआ। जौलीग्रांट एयरपोर्ट के टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष महेंद्र भारती ने बताया कि प्राइवेट वाहन चालक एयरपोर्ट से सवारी भर रहे थे। जौलीग्रांट टैक्सी चालक ने जब इसका विरोध किया गया, तो उसको धमकी दी गई। कहा कि वाहन में सवारी भरे जाने को लेकर सीआईएसएफ के जवान और चालक के बीच विवाद हो गया। जिसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी चालक की पिटाई कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईएसएफ के जवान इसी प्रकार से कई बार अभद्रता कर चुके हैं। सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट वीके गौतम ने कहा कि उनके संज्ञान में यह मामला आया है, वह मामले की जांच कर रहे हैं।

यज्ञ से मिलती है सकारात्मक ऊर्जा : मेयर

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में मंगलवार देर शाम तीर्थ पुरोहित समिति ने सूर्यग्रहण के दोष से बचने के लिए हवन यज्ञ का आयोजन किया।

गंगा तट त्रिवेणी घाट में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में मेयर अनिता ममगाई ने बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की। इस दौरान मेयर ने कहा कि हमारा देश सनातन संस्कृति को मानने वाला देश है, जिसमें खगोलीय घटना को भी पौराणिक मान्यताओं के लिहाज से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सूर्यग्रहण के दोष से बचने के लिए इस तरह के धार्मिक अनुष्ठानों के आयोजन का उल्लेख धर्म ग्रन्थों में भी किया गया है। सूर्यग्रहण के चलते परिवार के साथ यज्ञ में सहभागिता करने से भगवान सूर्य से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और ग्रहण का दोष समाप्त होता है। कहा कि, भगवान सूर्य की वजह से संसार में प्रकाश व्याप्त है। ऐसे में यज्ञ से लोगों की कामनाएं पूर्ण होती हैं और लोगों के जीवन से अंधकार मिट जाता है। यही नहीं लोगों का जीवन प्रकाशमान होता है। इस दौरान महंत विनय सारस्वत, चेतन शर्मा, गौरव, वेद प्रकाश धीगरा, विवेक गोस्वामी, पंडित ज्योति शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल को दी दीपावली की बधाई

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, मेयर देहरादून सुनील उनियाल गामा, मेयर ऋषिकेश अनिता ममगाईं सहित कई लोगों ने भेंट कर दीपावली की बधाई दी।

राज्यपाल ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें दीपावली की सपरिवार हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बास्केटबाल प्रतियोगिता आज से

नई टिहरी : ऑल सेंट्स कॉन्वेट स्कूल बिजनौर संभाग की दो दिवसीय अंतर विद्यालय बास्केटबाल प्रतियोगिता बुधवार से नई टिहरी में खेली जाऐगी। ऑल सेंट्स कॉन्वेट स्कूल के शिक्षक विक्रम सिंह कठैत ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 12 विद्यालयों के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

प्रतियोगिता के आयोजन हेतु समिति का गठन किया गया है। प्रतियोगिता ऑल सेंट्स कॉन्वेंट स्कूल नई टिहरी के मैदान में खेली जाऐगी। एजेन्सी)

सभासद के घर के आगे डाला कूड़ा

विकासनगर। हरबर्टपुर नगर पालिका के एक सभासद पर अभद्रता का आरोप लगाकर कर्मचारियों उनके घर के सामने कूड़ा उड़ेल दिया। इसके बाद कर्मचारी वहीं धरने पर बैठ गए और सभासद के खिलाफ एससीएसटी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। करीब पांच घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद तहसीलदार की मध्यस्थता में दोनों पक्षों में समझौता हुआ। शाम को चार बजे कर्मचारियों ने सभासद के घर के सामने से कूड़ा उठाया। मंगलवार को उत्तरांचल स्वच्छकार संघ की हरबर्टपुर शाखा अध्यक्ष गुरुदेव ने बताया कि दीपावली के दिन नगर क्षेत्र में एक जगह कूड़े के ढेर में आग लग गई थी। इसे बुझाने के लिए एक सफाई कर्मी मौके पर पहुंचा।

आरोप है कि जब सफाई कर्मी आग बुझा रहा था, उसी दौरान सभासद विपुल अग्रवाल ने वहां पहुंच कर कर्मचारी के साथ ही अभद्रता की। बताया कि इस दौरान सभासद ने कर्मचारी के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। मंगलवार को स्वच्छकार संघ की विकासनगर और सेलाकुई इकाई को इस घटना की जानकारी दी गई। जिसके बाद तीनों ही इकाई से जुड़े कर्मचारी हरबर्टपुर नगर पालिका कार्यालय में एकत्र हुए। कर्मचारियों ने शहर भर से उठाए कूड़े को ट्रैक्टर ट्रॉली में भरा और सभासद के घर के सामने उड़ेल दिया।

इस बीच सभासद के पड़ोसी उनके बचाव में कर्मचारियों के साथ धक्का मुक्की करने लगे तो कर्मचारियों ने पड़ोसी के घर आगे भी कड़ा डाल दिया। इसके बाद सभी कर्मचारियों ने सभासद के घर आगे धरने पर बैठकर नारेबाजी की। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों को शांत करने की कोशिश की लेकिन कर्मचारी कूड़ा उठाने और धरना समाप्त करने के लिए तैयार नहीं हुए। कर्मचारी सभासद के खिलाफ एससीएसटी ऐक्ट में मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। दोपहर दो बजे तहसीलदार चमन सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को हरबर्टपुर चौकी ले गए।

दिवाली का कूड़ा 24 घंटे के भीतर निस्तारित करने के दिये निर्देश

देहरादून। दीपावली के बाद दून शहर में करीब तीस मीट्रिक टन कूड़ा बढ़ गया है। स्वास्थ्य अनुभाग की ओर से निगम से अनुबंधित कंपनियों को यह बैकलॉग दूर करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है। मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खन्ना ने बताया कि नगर निगम से अनुबंधित कंपनियों और कर्मचारियों को मंगलवार सुबह 10 बजे से लेकर बुधवार सुबह 10 बजे तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं,

उत्तर रेलवे
शुद्धि पत्र
[illegible]
दिनांक 21.10.2022

सम्पादकीय

सुधार का अल्टीमेटम

पिछले कुछ समय में अहम फैसले लेने में अपनी जीरो टलरेंस सोच का प्रदर्शन करने वाले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक और कड़ा फैसला लिया है जो सीधे जनता की बुनियादी आवश्यकताओं से जुड़ा हुआ है। छोटा हो या बड़ा अमीर हो या गरीब हर वर्ग से इस क्षेत्र का प्रभावित होना तय है। मामला जुड़ा है सीधे तौर पर सड़कों की खराब दशा से। मानसून के दौरान सड़कों की वजह से बदतर स्थिति होने लगी और मानसून खत्म होने तक कई महत्वपूर्ण सड़कों ने अपना वजूद ही खो दिया। राजधानी देहरादून से लेकर हरिद्वार व अन्य दूसरे बड़े नगरों में सड़के राजनीति का केंद्र बन गई जिस पर विपक्ष ने राज्य सरकार की कार्यशैली को लेकर जमकर सवाल भी उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत तो खराब सड़कों की दशा को लेकर सड़क पर ही धरना देकर बैठ गए थे तो वहीं राजधानी देहरादून से भी राजनीति के गलियारे सड़कों की दुर्दशा को लेकर चर्चाओं में रहे। सड़कों की दुर्दशा सरकार के नुमाइंदों से भी नहीं रही लेकिन इनमें सुधार तब शुरू होने लगा जब मुख्यमंत्री ने अपने कड़े तेवर दिखाए हालांकि सीएम के तेवरों के बाद भी सड़कों में पैच वर्क ही दिखाई दिया और जो निर्माण बुरी तरह से क्षतिग्रस्त सड़कों का किया गया उसे अभी भी गुणवत्ता के मानकों में नहीं रखा जा सकता। संबंधित विभाग की नकेल कसते हुए मुख्यमंत्री धामी ने अब सीधे तौर पर अधिकारियों को 1 सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है जिसके तहत इस अवधि में उन्हें उत्तराखंड की सभी सड़कों का स्टेटस उन्हें उपलब्ध कराना होगा। अधिकारियों के लिए यह आदेश नींद उड़ाने वाले हो सकते हैं क्योंकि सड़कों के निर्माण में या तो आधे अधूरे कार्य किए गए हैं या फिर उनका पैच वर्क कर औपचारिकताएं निभा दी गई है। क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण कई दुर्घटनाएं हो चुकी है। कुछ मामलों में संबंधित विभाग के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है लेकिन बावजूद इसके अभी उत्तराखंड में सड़क हैं अपनी बदहाली का रोना रो ही रही है। चारधाम यात्रा मार्ग पर भी लड़के का भी पूरी स्थिति में नजर आ रही हैं और यहां भी पैच वर्क लगाकर संबंधित विभाग अपनी कमियों को छिपाने का प्रयास कर रहा है। मुख्यमंत्री ने इस कार्यशैली को काफी गंभीरता से लिया है और यही कारण है कि उन्होंने 1 सप्ताह के भीतर विभागों को सड़कों की हालत को लेकर स्टेटस उपलब्ध कराने का अल्टीमेटम दिया है। उम्मीद की जा रही है कि सीएम के इस अल्टीमेटम के बाद शायद कुंभकरण की नींद सो रहे विभागीय अधिकारियों की नींद खुले और वे सीएम के आदेशों को अब तक हल्के में लेने की प्रवृत्ति को समाप्त कर देंगे।

डाक्टरों के अनुभव और ड्रिंक !

विवेक सक्सेना

एक बार जब मैं डिस्पेंसरी में खुद को दिखाने गया तो पत्नी ने मुझे देखने वाले डाक्टर से कहा कि डाक्टर साहब इन्हें समझाइए यह तो लगभग रोज ही पीते हैं। वे भी गजब के थे। उन्होंने कहा कि आप चिंता न करें मैं तो अपने मरीज को सामने बैठ कर पिलाता हूं व उसका पैग भी खुद तैयार करता हूं।ज् मेरा आपरेशन करने वाले एम्स के प्रमुख डा. वेणुगोपाल से पूछा कि क्या वाल्व बदलने के बाद मैं पी सकता हूं तो उन्होंने कहा कि यह अब दो पैग स्काच पी सकते हैं। हमारे चेहरो पर मुस्कान लौट आई।

कुछ साल पहले जब सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों के डाक्टरों के रिटायर होने की उम्र बढ़ा देने की खबर पढ़ी तो सच कहता हूं कि मुझे सिद्धांतरू अच्छा नहीं लगा। इसकी वजह यह है कि एक तरफ हमारे देश में बड़ी तादाद में पढ़ाई पूरी करने के बाद डाक्टर बेकार हैं वहीं दूसरी ओर सरकार रिटायर हो चुके डाक्टरों का कार्यकाल बढ़ा रही है। पर अब मेरी सोच बदलने लगी है। कनाडा जाने पर पता चला कि वहां डाक्टरों की ही नहीं किसी भी कर्मचारी के रिटायर होने की कोई उम्र नहीं होती है। जब तक लोगों का तन मन उन्हें काम करते रहने की इजाजत देता है वे लोग काम करते रहते है। अपनी इच्छा का हालत के अनुसार सरकारी या निजी नौकरी से अवकाश ग्रहण करते हैं।

कनाडा जैसे देश में पहले से डाक्टरों का बहुत अभाव है। कई डाक्टर अपनी निजी प्रैक्टिस करने के अलावा सरकारी अस्पतालों में पार्ट टाइम नौकरी भी करते हैं। वहां पढ़ता था कि योग्य सर्जन या बेहोश होने की दवा देने वाले अनेस्थीसिया डाक्टरों के अभाव के कारण बड़ी तादाद में वर्षों से सैकड़ों लोगों का इलाज नहीं हो पा रहा है। पर कुछ समय पहले हुए अनुभवों के बाद यह धारणा बदल गई है। कुछ समय पहले अचानक घर में चोट से खून निकलने लगा। एक बार बीपी काफी बढ़ गया तब अपने ब्लाक में ही ऊअर रहने वाले वयोवृद्ध डाक्टर खन्ना से संपर्क किया। वे 82 साल की आयु के होने के बावजूद सक्रिय व मिलनसार है।

उन्होंने मेरे घर आकर मेरा इलाज किया व मुझे परेशान न होने की सलाह दी। उनके आने से मुझे काफी सहारा व सांत्वना मिली।उनका अनुभव मेरे बहुत काम आया। अब मुझे लगता है कि जब नए डाक्टर की भरती नहीं की जा रही हो तब रिटायर हो चुके डाक्टरों के अनुभव का लाभ उठाने में कुछ भी गलत नहीं। कम से कम कोई तो मरीजों को देखने के लिए उपलब्ध है। कनाडा में तो मुझे एक भी डाक्टर निजी प्रैक्टिस करते हुए नजर तक नहीं आया। सिर्फ अपवादवस आंखों व दातों के डाक्टरों के ही क्लीनिक नजर आए। हमारे मित्र डाक्टर नीरज ने बताया कि भारत से एमबीबीएस कर चुके डाक्टर को यहां आने पर कड़ी परीक्षा देनी पड़ती है जिसे पास कर पाना बहुत मुश्किल होता है।

डाक्टरों के साथ मेरे अनुभव बहुत गजब के रहे। जब नौकरी करता था तो अक्सर मुझे डाक्टर की प्रेस कान्फ्रेंस में भी जाना पड़ता था। शायद ही कोई ऐसे प्रेस कान्फ्रेंस होती होगी जिसमें शराब न पिलायी जाती हो। इस तरह की प्रेस कान्फ्रेंस में संकेत देने के लिए निमंत्रण में कई बार यह लिखा जाता था कि प्रेस कान्फ्रेंस काकटेल हाल में होगी। इससे यह इशारा मिल जाता था कि काकटेल हाल में पीने पिलाने का प्रबंध जरुर होगा। तब तो पीने और खाने दोनों का ही शौक था। इसे मेरी पत्नी पसंद नहीं करती थी।एक बार जब मैं डिस्पेंसरी में खुद को दिखाने गया तो पत्नी ने मुझे देखने वाले डाक्टर से कहा कि डाक्टर साहब इन्हें समझाइए यह तो लगभग रोज ही पीते हैं। वे भी गजब के थे। उन्होंने कहा कि आप चिंता न करें मैं तो अपने मरीज को सामने बैठ कर पिलाता हूं व उसका पैग भी खुद तैयार करता हूं। जब मेरा दिल का आपरेशन होना था व मैं डाक्टर को दिखाने गया तो उन्होंने कहा कि इसे तुरंत करना पड़ेगा।

इस दृष्टि से हमारा देश तो बीमार लोगों के लिए स्वर्ग है। हाल में फिजियोथेरेपी करवाने के बाद मुझे उसकी अहमियत का अहसास हुआ। शायद यही कारण है कि जब देश में फोन का कनेक्शन हासिल करेन के लिए बहुत जद्दोजहद करनी पड़ती थी। तब भी सरकार ने डाक्टरों व नर्सों के बिना लंबे इंतजार किए हुए दो नये फोन लगवाने की व्यवस्था की हुई थी। आज तो मिनटों में फोन का कनेक्शन मिल जाता है।

मैं डाक्टरों का बहुत सम्मान करता हूं व उनकी योग्यता व अनुभव का बहुत लाभ भी उठा रहा हूं। इसके बावजूद मुझे लगता है कि डाक्टर जितनी मेहनत करते हैं उन्हें उसका जीवन में उतना लाभ नहीं मिलता है। आमतौर पर बारहवीं पास करते ही डाक्टर पीएमटी की तैयारियां शुरु कर देते हैं। पहले उसे पास करने में कई साल लग जाते हैं। फिर पांच साल का कोर्स करने के दौरान अपने वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा एकाध साल फेल कर देना बहुत सामान्य बात मानी जाती है। फिर पढ़ाई पूरी करने के बाद एमडी करने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दाखिला बहुत मुश्किल से मिलता है। वे पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की समस्या आती है। अपनी प्रैक्टिस शुरु करना हरेक के बस की बात नहीं होती है। निजी अस्पताल में वेतन कम मिलता है व शोषण अलग से होता है। जब उनके मुकाबले महज 3-4 साल का डिप्लोमाधाी इंजीनियर कहीं बेहतर हालात में रहते हैं। जब कि डाक्टरों की सारी जवानी पढ़ाई में निकल जाती है। याद है ना जब हमारे कोविड काल के दौरान किसी मरीज के न रहने पर उसके रिश्तेदारों द्वारा डक्टरों की मारपीट की खबरें पढ़ते थे। वो अलग है।

डाक्टरों के साथ मेरे अनुभव बहुत गजब के रहे। जब नौकरी करता था तो अक्सर मुझे डाक्टर की प्रेस कान्फ्रेंस में भी जाना पड़ता था। शायद ही कोई ऐसे प्रेस कान्फ्रेंस होती होगी जिसमें शराब न पिलायी जाती हो। इस तरह की प्रेस कान्फ्रेंस में संकेत देने के लिए निमंत्रण में कई बार यह लिखा जाता था कि प्रेस कान्फ्रेंस श्काकटेल हाल में होगी। इससे यह इशारा मिल जाता था कि काकटेल हाल में पीने पिलाने का प्रबंध जरुर होगा। तब तो पीने और खाने दोनों का ही शौक था। इसे मेरी पत्नी पसंद नहीं करती थी।

एक बार जब मैं डिस्पेंसरी में खुद को दिखाने गया तो पत्नी ने मुझे देखने वाले डाक्टर से कहा कि डाक्टर साहब इन्हें समझाइए यह तो लगभग रोज ही पीते हैं। वे भी गजब के थे। उन्होंने कहा कि आप चिंता न करें मैं तो अपने मरीज को सामने बैठ कर पिलाता हूं व उसका पैग भी खुद तैयार करता हूं। जब मेरा दिल का आपरेशन होना था व मैं डाक्टर को दिखाने गया तो उन्होंने कहा कि इसे तुरंत करना पड़ेगा। तुमने दवा पीली। मैंने कहां नहीं इस पर उन्होंने वजह पूछी तो मैंने कहा कि मेरा इलाज करने वाले डक्र साहब ने कहा था कि जिस दिन पीनी हो उस दिन तुम खून पतला करने वाली दवा एसीट्राम मत लेना क्योंकि मैं ने पीली थी इसलिए यह दवा नहीं ली थी। डक्र साहब ने खून की जांच करवाई व उसे सही पाए जाने पर अगले ही दिन दिल का आपरेशन करने का फैसला लेते हुए मुझे अस्पताल में दाखिल कर दिया।

जब अस्पताल से घर गया तो डाक्टर को दिखाने जाना पड़ा। मेरे साथ मेरे बड़े भाई भी गए। वो मेरी आदतों से परिचित थे। उन्होंने मेरा आपरेशन करने वाले एम्स के प्रमुख डा.वेणुगोपाल से पूछा कि क्या वाल्व बदलने के बाद मैं पी सकता हूं तो उन्होंने कहा कि यह अब दो पैग स्काच पी सकते हैं। हमारे चेहरो पर मुस्कान लौट आई। यह पहला अवसर था कनाडा आते जाते समय मैंने खाने के पहले उपहार में मिलने वाली वाइन को टुआ तक नहीं। क्योंकि करीब दो साल पहले सब खाना पीना छोड़ देने के कारण मुझे इसके सेवन से डर लगने लगा है कहीं तबियत न खराब हो जाए। वहां भी एकदम सूफी बनकर रहा व बेटे के दोस्तों के पास जाने पर उनके अभिभावकों द्वारा बार बार कहे जाने के बाद भी कुछ नहीं लिया। हालांकि शराब पीने व शाकाहारी बनकर वह भी विदेश में रहना एक व्रत के समान है। अब तो मेरे दोस्त डक्टर भी शाकाहारी हो गए हैं। मैं तो हमेशा अपने डाक्टरों की स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं ताकि मैं खुद स्वस्थ रह सकूं।

गुजरात के साथ होंगे दिल्ली में चुनाव !

क्या दिल्ली में नगर निगम का चुनाव होने वाला है? यह बड़ा सवाल है और आम आदमी पार्टी के नेता इसे लेकर बहुत परेशान हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनसे लग रहा है कि बहुत जल्दी चुनाव की घोषणा होने वाली है। केंद्र सरकार ने दिल्ली में नगर निगम की सीटों के परिसीमन को मंजूरी दे दी है और जल्दी ही उसकी अधिसूचना जारी होगी। इसके साथ ही सीटों के आरक्षण की भी घोषणा होने की संभावना है, जिसके बाद चुनाव का रास्ता साफ हो जाएगा। ध्यान रहे अभी तक गुजरात में चुनाव की घोषणा नहीं हुई है और दिवाली के बाद किस भी दिन घोषणा हो सकती है।

गौरतलब है कि दिल्ली के तीनों नगर निगमों का विलय करके ढाई सौ सीट का एक ही निकाय बनाया गया है। इसके लिए सीटों का परिसीमन किया गया था, जिसकी रिपोर्ट मंजूर हो गई है। तीनों निगमों के विलय और परिसीमन की प्रक्रिया की वजह से ही नगर निगम के चुनाव टले थे। ऐन चुनावों की घोषणा के दिन ही चुनाव टाल दिया गया था। लेकिन अब लग रहा है कि जल्दी ही चुनाव की घोषणा होगी। परिसीमन की मंजूरी और आरक्षण की प्रक्रिया तेज होने के साथ साथ राजनीतिक घटनाएं भी तेजी से हो रही हैं। चुनाव की तत्काल घोषणा में एक समस्या यह है कि कांग्रेस ने परिसीमन को अदालत में चुनौती दी है।

खबर है कि भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के उन तमाम नेताओं को गुजरात से वापस दिल्ली आने को कहा है, जो वहां प्रचार के लिए गए थे। हिमाचल में भी प्रचार कर रहे दिल्ली भाजपा के नेता वापस बुलाए जा रहे हैं। इस बीच भाजपा के शीर्ष नेताओं की दिल्ली में बैठकें और सभाएं तेज हो गई हैं। पिछले दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली भाजपा के नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें चुनावी तैयारियों के बारे में चर्चा हुई। उसके बाद अमित शाह की दिल्ली में सभा हुई, जिसमें उन्होंने दिल्ली के लोगों से कहा कि वे तय करें कि उन्हें श्आप निर्भर होना है या श्आत्मनिर्भर?

भाजपा के जानकार सूत्रों का कहना है कि अगर अभी दिल्ली में नगर निगम का चुनाव हुआ तो उससे पार्टी को तीन फायदे हैं। पहला फायदा तो यह है कि आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुजरात छोड़ कर दिल्ली में उलझेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री और दूसरे बड़े नेताओं का भी फोकस दिल्ली पर होगा। इससे वे गुजरात से बाहर निकलेंगे। दूसरा फायदा यह होगा कि आम आदमी पार्टी अभी दिल्ली में चुनाव के लिए तैयार नहीं है, जबकि भाजपा की तैयारी हो गई है। इसलिए अचानक चुनाव की घोषणा से आप को तैयारी का वक्त नहीं मिलेगा। तीसरा फायदा यह है कि गुजरात के चुनाव से जो हवा बन रही है, उसका लाभ दिल्ली में मिलेगा। भाजपा गुजरात और हिमाचल का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ रही है और पार्टी ने यह साफ कर दिया है कि दिल्ली नगर निगम का चुनाव भी पार्टी मोदी के नाम पर लड़ेगी। तभी अमित शाह ने अपने भाषण में कहा कि दिल्ली में भले आप की सरकार है, लेकिन ऊअर मोदीजी हैं इसलिए दिल्ली का काम नहीं रूकेगा।

सिक्के का एक पहलू

किरन रिजुजू ने न्यायपालिका की जो आलोचना की उसमें दम है। लेकिन आज हम जिस माहौल में हैं, उसमें रिजुजू की टिप्पणियों से समाज में आशंकाएं पैदा हुई हों, तो वह भी निराधार नहीं है।

कानून मंत्री किरन रिजुजू ने जजों पर जो टिप्पणी की है, वह बेबुनियाद नहीं है। उन्होंने मुख्य रूप से दो पहलुओं की आलोचना की। उनका पहला निशाना कलेजियम सिस्टम था, जिसके तहत उन्होंने कहा कि दुनिया में कभी भी ऐसी व्यवस्था नहीं है, जहां जजों की नियुक्ति में कार्यपालिका की बिल्कुल भूमिका ना रहती हो। इसी सिलसिले में उन्होंने कलेजियम सिस्टम के कारण जज अपना समय न्याय देने से ज्यादा ट्रांसफर-पोस्टिंग की चर्चाओं में गुजारते हैं। उनका दूसरा निशाना जजों की जुबानी टिप्पणियां थीं। इस बारे में उन्होंने समाज में मौजूद इस शिकायत को दोहराया कि ऐसी टिप्पणियों से इससे समाज में गलत धारणाएं बनती हैं। इन दोनों आलोचनाओं में दम है। लेकिन आज हम जिस माहौल में हैं, उसमें रिजुजू की टिप्पणियों से समाज में आशंकाएं पैदा हुई हों, तो वह भी निराधार नहीं है। इसलिए कि समाज के एक बड़े तबके में यह गहरी शिकायत है कि वर्तमान सरकार के शासनकाल में सिस्टम को कैप्चर करने की एक परिघटना आगे बढ़ी है। बल्कि एक धारणा तो यह है कि इस परिघटना के कारण न्यायपालिका पहले ही अपनी धार खो चुकी है और अक्सर वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के अपने संवैधानिक दायित्वों को निभाने में कमजोर दिखी है।

न्यायपालिका की यही भूमिका है, जिसकी वजह से नागरिकों का एक बड़ा वर्ग सरकार की मंशा पर शक रखने के बावजूद आज शायद उत्साह से न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए आगे आकर खड़ा ना हो। ये शिकवा वाजिब है कि जब न्यायपालिका नागरिकों की स्वतंत्रता के लिए आगे नहीं आई है, तो आखिर नागरिक उसके पक्ष में क्यों आंदोलित हों? अब ये महज संयोग भी हो सकता है, लेकिन इस ओर बरबस ध्यान गया है कि जिस रोज रिजुजू ने ये बातें कहीं, उसी दिन पंजाब और हरियाणा बार एसोसिएशन के दफ्तर पर एनआईए का छापा पड़ा। वहां वकीलों ने कहा है कि उनके दफ्तर पर इस तरह छापा पड़ेगा, ये बात उनकी कल्पना से भी बाहर थी। मगर भारत में आज ऐसी अकल्पनीय बातों का पूरा सिलसिला तैयार हो चुका है। नतीजा यह है कि सत्ता पक्ष का अर्धसत्य अक्सर पूरे सत्य पर भारी पड़ जाता है।

भगत सिंह को इतना छोटा मत कीजिए !

अजीत द्विवेदी

साहित्य में कई अलंकारों में एक अतिशयोक्ति अलंकार होता है, जिसमें हर चीज को बहुत बढ़ा चढ़ा कर कहा जाता है। रीतिकालीन कवि इस अलंकार का बहुत इस्तेमाल करते थे। बाद में यह राजनीति में इस्तेमाल की जाने वाली चीज बन गई। हर नेता थोड़ी बहुत मात्रा में इस अलंकार का इस्तेमाल करता है। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अतिशयोक्ति अलंकार के इस्तेमाल में रीतिकालीन कवियों से मुकाबला करते हैं। वे हर चीज को बहुत बढ़ा चढ़ा कर कहते हैं। राई का पहाड़ बनाने में उनको महारथ है। इसमें कुछ गलत नहीं है क्योंकि राजनीति इन दिनों प्रचार की चीज बन गई है। परंतु कई बार वे अतिशयोक्ति अलंकार के इस्तेमाल में हद से आगे बढ़ जाते हैं। जैसा उन्होंने अभी किया है। भ्रष्टाचार के आरोपी अपने दो मंत्रियों- मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के बचाव में उन्होंने कह दिया कि ये दोनों अभी के भगत सिंह हैं! जैसे अन्ना हजारे को उन्होंने गांधी बनाया उसी तरह सिसोदिया और जैन को भगत सिंह बना रहे हैं!

यह बहुत खराब बयान है और आजादी के बाद 75 साल में किसी भी नेता द्वारा दिया गया कोई दूसरा घटिया बयान याद नहीं आता है, जिसके साथ इसकी तुलना की जाए। सोचें, कहां सरदार भगत सिंह और कहां मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन! भगत सिंह अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ रहे थे। वे एक साथ दुनिया की सबसे बड़ी साम्राज्यवादी ताकत और देश में व्याप्त आर्थिक व सामाजिक विषमता के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने महज 23 साल की उम्र में जितना अध्ययन किया था, जितना ज्ञान अर्जित किया था, एक देश व समाज के नाते भारत को लेकर उनकी जैसी समझ बनी थी, उनके विचारों में जितनी गहराई थी वहां तक पहुंचना मौजूदा समय के किसी भी राजनेता के लिए मुमकिन नहीं है। भगत सिंह शहीद हुए थे। उन्होंने ब्रिटेन की गूंगी बहरी सरकार तक करोड़ों भारतीयों की आवाज पहुंचाने के लिए केंद्रीय असेंबली में बम दें का था और अदम्य साहस के साथ वहां खड़े रहे थे ताकि उनको गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने हंसते हंसते फांसी का फंदा चूमा था।

भगत सिंह अपने समय के तमाम महान क्रांतिकारियों से भी बहुत आगे थे। उनके समकालीन महान क्रांतिकारियों में चंद्रशेखर आजाद ने भी शहादत दी, रामप्रसाद बिस्लिम और अशफाउल्ला खां भी फांसी पर चढ़े थे, राजगुरू और सुखदेव ने तो भगत सिंह के साथ ही फांसी का फंदा चूमा था, इसके बावजूद शहीद ए आजम भगत सिंह कहलाए। वे अंग्रेजी हुकूमत से लोहा ले रहे तमाम समकालीन क्रांतिकारियों और शहीदों से बड़े थे तभी शहीद ए आजम हुए। तभी उनको सबसे बड़ा शहीद माना गया। सोचें, जब उनका समकालीन कोई भी शहीद उनके बराबर नहीं हुआ या किसी को भगत सिंह नहीं माना गया, भगत सिंह समानों में प्रथम माने गए, सबसे अजीम माने गए तो अब एक सौ साल बाद टुटभैया नेताओं को भगत सिंह बताना शहीद ए आजम का कितना बड़ा अपमान है! यह अच्छी बात है कि अरविंद केजरीवाल अपने कार्यक्रमों में या सरकारी दफ्तरों में भगत सिंह की तस्वीरें लगा रहे हैं, लेकिन इससे उनको यह अधिकार नहीं मिल जाता है कि वे उनका अपमान करें।

उन्होंने अपने जिन दो मंत्रियों को भगत सिंह बताया है उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। मनीष सिसोदिया के ऊअर नई शराब नीति में घोटाला करने का आरोप है। उनके करीबियों पर पैसे लेने के आरोप लगे हैं। सिर्फ इसलिए कि जांच करने वाली एजेंसी विपक्षी पार्टी की सरकार के अधीन आती है, यह नहीं कहा जा सकता है कि आरोप गलत हैं। इसी तरह सत्येंद्र जैन के ऊअर हवाला से पैसे की हेरा-फेरी का आरोप लगा है। वे कई महीनों से जेल में बंद हैं और उनकी पूछताछ को लेकर जो खबरें सामने आईं उसमें बताया गया कि वे बार बार यह दावा करते रहे कि उनकी याद्दाश्त चली गई है।

सोचें, भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद एक व्यक्ति, जो एजेंसी की जांच में याद्दाश्त चली जाने का बहाना करे उसको भगत सिंह बताया जाए, इससे ज्यादा अश्लील कोई बात हो सकती है? भगत सिंह उस वैचारिक धरातल पर खड़े थे, जिसके आसपास भी केजरीवाल और उनकी पार्टी नहीं है। श्मैं नास्तिक क्यों हूं जैसी किताब लिखने वाले भगत सिंह की तस्वीर को पीली पगड़ी पहना कर केजरीवाल एंड कंपनी उनको कट्टरता का प्रतीक बना रही है। महान क्रांतिकारी व्लादिमीर लेनिन से प्रभावित और साम्यवाद के सिद्धांतों को मानने वाले भगत सिंह को ध्रुवीकरण का टूल बनाने की कोशिश करने वाली पार्टी उनके साथ इससे बुरा कुछ नहीं कर सकती थी।

यहां तो नाखून कटा कर शहीद होने वाला मुहावरा भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है क्योंकि यहां तो कोई शहादत नहीं हो रही है। सिसोदिया और जैन दिल्ली सरकार के मंत्री के नाते मिलने वाली सारी सुविधाओं का आनंद उठा रहे हैं। उन्हें बड़े बंगले मिले हैं, बड़े दफ्तर हैं, बड़ी गाडियां हैं, सुरक्षा गारद है, आगे पीटे गाडियों का काफिला चलता है, मोटा वेतन और भत्ता मिलता है तब आप दिल्ली के दो करोड़ लोगों के लिए कुछ काम करते हैं। मंत्री के नाते किए गए किसी सामान्य काम के बदले आप और क्या चाहते हैं? इसके बाद आपके मंत्रालय के कामकाज में कुछ गड़बड़ी हुई तो उसकी जांच हो रही है। इसके लिए आप शहीद कैसे कहे जा सकते हैं? आप एक राज्य के मंत्री हैं और सारा समय दूसरे राज्य में पार्टी का चुनाव प्रचार कर रहे होते हैं और चाहते हैं कि आपको शहीद माना जाए और वह भी भगत सिंह के जैसा!

अरविंद केजरीवाल की अपनी राजनीति होगी। उनकी अपनी महत्वाकांक्षाएं होंगी। लेकिन माफ कीजिएगा शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह आपकी राजनीतिक सफलता या आपकी महत्वाकांक्षा पूरी करने का टूल नहीं हो सकते हैं। आप अपनी दो कौड़ी की राजनीति के लिए भगत सिंह या किसी भी शहीद के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

आपने और इस देश के नेताओं ने पहले ही गांधी, पटेल और नेहरू का कम अपमान नहीं किया है, अब आजादी के महान शहीदों का अपमान मत कीजिए। आप उनका सम्मान नहीं बढ़ा सकते हैं तो कम से कम उन्हें छोटा मत बनाइए। अपनी लड़ाई आप खुद लडिघ्ए। जनता के पैसे से सत्ता का आनंद भोग रहे अपने मंत्रियों को उनकी लड़ाई खुद लडने दीजिए। उन्हें भगत सिंह बता कर शहीद ए आजम का अपमान मत कीजिए।

स्वच्छता अभियान में शिकायतों के अंबार की भी सफाई, तीन लाख से अधिक मामलों का निपटारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 2014 में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान अब शिकायतों के अंबार की सफाई तक पहुंच गया है। दो अक्टूबर से शुरू किए गए स्वच्छता अभियान 20 के तहत अभी तक तीन लाख से अधिक लंबित शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। यही नहीं, स्वच्छता अभियान से निकलने वाले ई-कचरे को बेचकर करा-ड़ों की कमाई भी हो रही है। साथ ही कचरा उठने से खाली हुए स्थानों को सौंदर्यीकरण व अन्य कामों के लिए उपयोग लायक बनाया जा रहा है।

पीएमओ में राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू किए गए स्वच्छता अभियान 20 के तहत अभी तक 320 लाख लंबित शिकायतों का समाधान किया गया है और अगले पांच दिनों में इनकी संख्या चार लाख तक पहुंच सकती है। अभियान की सफलता के संबंध में उन्होंने कहा कि इस दौरान ई-कचरे को बेचकर 254 करोड़ रुपये की आमदनी हो चुकी है और यह 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार सकता है।

जितेंद्र सिंह के अनुसार, पिछले साल ई-कचरा बेचने से 62 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। कचरे के निपटारे के साथ ही इस अभियान के तहत सभी विभाग गैर-जरूरी नियमों को खत्म करने में भी जुटे हैं। उनके अनुसार अभी तक ऐसे कुल 588 नियमों और प्रक्रियाओं को खत्म किया जा चुका है। जाहिर है इससे सरकारी कामकाज में ज्यादा तेजी और पारदर्शिता आएगी।

प्रशासनिक सुधार व जन शिकायत विभाग के सचिव वी श्रीनिवास ने स्वच्छता अभियान 20 की खासियत बताते हुए कहा कि इसमें एक तरफ कागज की फाइलों की जगह ई-फाइलों के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर फिजिकल फाइलों की समस्या से हमेशा से निपटने का प्रयास किया जा रहा है तो साथ ही गैर-जरूरी ई-फाइलों को डिलीट करने का काम भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान 20 सभी राज्यों में केंद्र सरकार के कार्यालयों में चलाया जा रहा है।

चक्रवात सितरंग से बांग्लादेश में 9 लोगों की मौत, भारत के इन 4 राज्यों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। चक्रवात सितरंग ने बांग्लादेश में तबाही मचानी शुरू कर दी है। अब तक यहां 9 लोगों की मौत की सूचना है। अधिकारियों ने हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया कि बरगुना, नरैल, सिराजगंज जिलों और भोला के द्वीप जिले में कम से कम 9 लोग मारे गए हैं। चक्रवात शसितरंगश पश्चिम बंगाल तट को पार करते हुए बरिसाल के निकट बांग्लादेश तट से टकराया है। मौसम विभाग ने आज 25 अक्टूबर को सुबह यह जानकारी दी है।भारत में चक्रवात सितरंग भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन कई राज्यों में अभी अलर्ट (भ्मंअल त्ंपदसिस ।समतज)जारी है। मौसम विभाग ने आज, 25 अक्टूबर 2022 को ओडिशा, बंगाल, मिजोरम समेत कई इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका जताई है।

भूमि की पर्याप्त नमी बढ़ाएगी रबी फसलों की उत्पादकता, गेहूं बोआई की तैयारियां हुई तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। लौटते मानसून की भारी बारिश के चलते रबी फसलों की बोआई में थोड़ी देर भले ही हो गई हो, लेकिन भूमि में पर्याप्त नमी का लाभ फसलों को मिलना तय है। बोआई में विलंब की भरपाई को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों के साथ किसान पूरी तरह सतर्क है। इसी के मद्देनजर रबी सीजन की खेती से पहले की सारी तैयारियां तेज हो गई हैं। रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की खेती के लिए निर्धारित सभी जोनों में अनुमोदित प्रजाति के बीज व फर्टिलाइजर की उपलब्धता बढ़ा दी गई है।

रबी सीजन का बोआई सीजन एक अक्टूबर से चालू हो चुका है। जहां तहां दलहनी व तिलहनी फसलों की खेती जरूर हो रही है, लेकिन बेमौसम बारिश ने ज्यादातर फसलों की बोआई को प्रभावित किया है।

सीजन की सबसे बड़ी फसल गेहूं है जिसकी बोआई का आंकड़ा अभी तक किसी राज्य से नहीं मिल पा रहा है। पश्चिमोत्तर क्षेत्र में लौटते मौनसून की बारिश ने जबर्दस्त असर डाला है। जबकि पूर्वी राज्यों के साथ पूर्वोत्तर राज्यों में पहले दो चरणों में मानसून की बारिश सामान्य से 60 फीसद तक कम दर्ज की गई।

लेकिन अंतिम चरण में ऐसी बारिश हुई कि ज्यादातर हिस्सों में बाढ़ की नौबत आ गई। मध्य क्षेत्र में भी अधिक बारिश हुई है। षि वैज्ञानिकों के अनुसार गेहूं की खेती कुल तीन करोड़ हेक्टेयर से अधिक रकबा में होती है, जिसे पांच हिस्सों में विभाजित किया गया है। इसके लिए अलग-अलग प्रजाति के बीज और बोआई का समय निर्धारित किया गया है।

गेहूं के प्रमुख वैज्ञानिक प्रोफेसर रमेश कुमार सिंह के मुताबिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में रात का तापमान कम हो गया है। गेहूं की बोआई के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है। लेकिन खेतों में ज्यादा नमी की वजह से खेत तैयार नहीं हैं। सभी संबंधित राज्य सरकारों को निर्धारित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। उत्तर पश्चिम जोन में पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा को शामिल किया गया है।

गेहूं की खेती में इस क्षेत्र की भागीदारी 125 करोड़ हेक्टेयर की होती है, जबकि उत्तर पूर्व के राज्यों में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ का कुछ हिस्सा शामिल है, जहां एक करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती है। जबकि मध्य भारत में मध्य प्रदेश, बुंदेलखंड (यूपी का हिस्सा भी), महाराष्ट्र का कुछ हिस्सा और छत्तीसगढ़ शामिल है।

गेहूं खेती में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 लाख हेक्टेयर तक होती है। जबकि दक्षिणी पठारी जोन के 15 लाख लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कर्नाटक और महाराष्ट्र का हिस्सा शामिल है। हिमालयी राज्यों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुल 10 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती है। फर्टिलाइजर मंत्रालय के मुताबिक देश में वर्ष 2023 की पहली छमाही में अप्रैल से सितंबर के बीच डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) की बिक्री 2333 फीसद अधिक हुई है। गेहूं की खेती के लिए डीएपी की मांग अधिक होती है, जिसका उपयोग बोआई के समय किया जाता है।

गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण पर सुको जल्द सुना सकता है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस) को सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की वैधानिकता पर सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला सुना सकता है। इस मामले की सुनवाई करने वाली पीठ के अध्यक्ष प्रधान न्यायाधीश यूयू ललित आठ नवंबर को सेवानिवृत हो रहे हैं उनकी सेवानिवृति से पहले फैसला आने की उम्मीद है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने साढ़े छह दिन चली लंबी सुनवाई के बाद 27 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिक-ाओं में आर्थिक आधार पर आरक्षण को संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ बताते हुए इसे रद करने की मांग है।

हालांकि सरकार ने कोर्ट में कानून की तरफदारी करते हुए कहा था कि अति गरीबों को आरक्षण का प्रविधान करने वाला कानून संविधान के मूल ढांचे को मजबूत करता है। आर्थिक न्याय की अवधारणा को सार्थक करता है, इसलिए इसे मूल ढांचे का उल्लंघन करने वाला नहीं कहा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने शुरुआत में ही विचार के लिए संवैधानिक सवाल तय किये थे। जिसमें था कि ईडब्लूएस आरक्षण संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन तो नहीं करता और इस आरक्षण से एससी एसटी और ओबीसी को बाहर रखे जाने से मूल ढांचे का उल्लंघन तो नहीं होता। 30 अक्टूबर तक सुप्रीम कोर्ट की टुट्टी है। कोर्ट 31 अक्टूबर को खुलेगा और आठ नवंबर को फिर गुरुनानक जयंती की टुट्टी है। बीच में शनिवार और रविवार भी है। ऐसे में 31 अक्टूबर से लेकर सात नवंबर तक कुल छह कार्य दिवस बचते हैं।

हालांकि, टुट्टी वाले दिन विशेष कोर्ट लगा कर अगर फैसला सुनाया जाता है तो उसकी मनाही नहीं है लेकिन सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता। जस्टिस ललित के रिटायरमेंट से पहले फैसला आ जाएगा, ऐसा माना जा रहा है क्योंकि अगर किसी कारणवश उनकी सेवानिवृति तक फैसला नहीं आया तो तय नियम के मुताबिक मामले पर फिर से नयी संविधान पीठ गठित होगी और नये सिरे से केस पर सुनवाई करनी होगी। लिहाजा माना जा रहा है कि जल्द ही फैसला आ सकता है।

इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से करीब 20 वकीलों ने बहस की। कानून के पक्ष में केंद्र सरकार की ओर से अटार्नी जनरल और सालिसिटर जनरल ने बहस की। इसके अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात आदि कुछ राज्यों ने भी कोर्ट में ईडब्लूएस आरक्षण का समर्थन किया। केंद्र ने कानून का बचाव करते हुए दलील दी थी कि ईडब्लूएस आरक्षण नये प्रकार का एक अलग श्रेणी का आरक्षण है। इससे एससी एसटी और ओबीसी के आरक्षण पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि सभी केंद्रीय शिक्षण संस्थानों को इसके लिए 25 फीसद सीटें बढ़ाने के लिए कहा गया है। यह भी दलील थी कि एससी एसटी को पहले से ही आरक्षण का भरपूर लाभ मिल रहा है।

सरकार ने कहा था कि ईडब्लूएस आरक्षण से आरक्षण की तय अधिकतम 50 फीसद की सीमा का उल्लंघन नहीं होता क्योंकि यह आरक्षण एससी एसटी और ओबीसी के लिए तय पचास फीसद आरक्षण से अलग जनरल कैटेगरी के लिए तय बाकी के पचास फीसद की कैटेगरी से दिया गया है। सरकार को आर्थिक आधार पर गरीबों को आरक्षण देने का प्रविधान करने का अधिकार है।

रूठे मछुआरा समुदाय को मना पाएगी भाजपा ? गुजरात चुनाव से पहले खेला बड़ा दांव, तेल सब्सिडी बढ़ाई

गांधीनगर, एजेंसी। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने एक बड़ा दांव खेला है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गुजरात में भाजपा सरकार ने मटुआरों के लिए डीजल और मिट्टी के तेल का कोटा बढ़ाने की घोषणा की है। ये घोषणा ऐसे समय में की गई है जब भाजपा को इस बात की चिंता सता रही है कि मटुआरा समुदाय उससे दूर जा रहा है। मटुआरा समुदाय गुजरात में कम से कम नौ निर्वाचन क्षेत्रों में प्रमुख उपस्थिति रखता है।द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा सरकार द्वारा ताजा घोषणा के बाद अब मटुआरे किसी भी सरकारी मान्यता प्राप्त पेट्रोल पंप से सब्सिडी वाला डीजल खरीद सकते हैं। पहले के नियम के मुताबिक, सब्सिडी वाला डीजल केवल गुजरात फिशरीज सेंट्रल कोअपरेटिव एसोसिएशन या इसकी सहयोगी सहकारी समितियों द्वारा संचालित पेट्रोल पंपों से ही खरीदा जा सकता था। राज्य सरकार मछुआरों को मूल्य वर्धित कर छूट के रूप में 15 रुपये प्रति लीटर डीजल की ऊपरी सीमा के साथ सब्सिडी देती है। केरोसिन के मामले में अन-बोर्ड मोटर बोट के लिए प्रति लीटर सब्सिडी 25 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दी गई है। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि पेट्रोल से चलने वाली अन-बोर्ड मोटर नावों को भी केरोसिन सब्सिडी योजना के तहत कवर किया जाएगा।मछुआरा समुदाय के नेता और भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद चुन्नी गोहेल ने कहा, ये बहुत अच्छी घोषणाएं हैं। मटुआरे लंबे समय से लंबित मांगों के कारण भाजपा से दूर जाने लगे थे और सोचने लगे थे कि उन्हें पार्टी से उनका हक कभी नहीं मिलेगा।ष गोहेल ने कहा कि इस कदम का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाना चाहिए, जो हमेशा गुजरात के मटुआरों के मुद्दों के प्रति संवेदनशील रहे हैं। 1,600 किलोमीटर लंबे तट के साथ, गुजरात भारत का प्रमुख समुद्री मछली उत्पादक राज्य है, जो 2019-20 तक राष्ट्रीय उत्पादन का 7.01: योगदान देता है। राज्य में लगभग 29,000 पंजीत मछली पकड़ने वाली नावें हैं, जिनमें से लगभग 20,000 सक्रिय हैं।

कश्मीर से खत्म हो जाएगी हुर्रियत?

श्रीनगर, एजेंसी। अलगाववादी नेता और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स इंडिपेंडेंट मूवमेंट के अध्यक्ष बिलाल गनी लोन के मुख्यधारा की राजनीति में आने की संभावना है। बिलाल गनी लोन वरिष्ठ अलगाववादी नेता अब्दुल गनी लोन के बेटे हैं। अब्दुल गनी की 21 मई 2002 को श्रीनगर के ईद्गाह में हत्या कर दी गई थी। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि दिवंगत अब्दुल गनी लोन के बेटे बिलाल आने वाले दिनों में औपचारिक रूप से सक्रिय चुनावी राजनीति में शामिल होंगे। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ष्उनके पिता अलगाववादी रैंक में शामिल होने से पहले तीन बार विधायक बने थे।

ईटानगर के बाजार में लगी भीषण आग, 700 से ज्यादा दुकानें जलकर खाक

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के एक बाजार में भीषण आग लग गई है। आग के चलते सैकड़ों दुकानें जलकर खाक हो गई है। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की वजह का पता नहीं चल सका है। हालांकि, इसमें करोड़ों रुपये के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

एजेंसी के मुताबिक, आग लगने की घटना प्रदेश की सबसे पुरानी नाहरलगुन डेली मार्केट की है। नाहरलगुन मार्केट फायर स्टेशन और पुलिस थाना के पास है। वहीं, राजधानी ईटानगर से इसकी दूरी 14 किमी है। पुलिस ने बताया कि हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग सुबह करीब चार बजे लगी थी।पुलिस ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत हरकत में आए। ज्यादातर दुकानें बांस और लकड़ी की बनी हुई थी। इसलिए आग तेजी से फैल गई। एलपीजी सिलेंडरों ने आग में घी डालने का काम किया इससे आग और भड़क गई। पुलिस ने बताया कि आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।आग से करोड़ो रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। एसपी जिम्मी छिरम ने कहा कि आग क्यों लगी, इसका पता नहीं चल सका है।

कर्नाटक: लिंगायत संत का पंखे से लटका मिला शव, सुसाइड नोट में लगाया उत्पीड़न का आरोप

रामनगर, एजेंसी। कर्नाटक के रामनगर में लिंगायत संत की मौत का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि कंचुगल बंदेमठ के एक लिंगायत संत अपने मठ में मृत पाए गए हैं। संत की मौत की किस वजह से हुई इसका पता अभी नहीं चल सका है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि संत को ब्लैकमेल किया जा रहा था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कुदुर पुलिस ने जानकारी देते हुए संत का शव 24 अक्टूबर को मठ के पूजाघर में मिला है। पुलिस ने अप्रातिक मौत का केस दर्ज कर लिया है। मृतक संत का नाम बसवलिंगेश्वर स्वामी था और वह कंचुगल मठ के प्रमुख संत थे। पुलिस स्वामी के पुराने रिकार्ड खंगाल रही है। पुलिस को संत का शव पंखे पर लगे फंदे से लटका मिला है।

पुलिस को संत के शव के पास से दो पेज का सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि सुसाइड पेज में उन्होंने कुछ लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। सुसाइड नोट में उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट से ये भी पता चलता है कि कुछ लोग संत को मठ से हटाना चाह रहे थे। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह का पता चल सकेगा।

जानकारी के मुताबिरक, बसवलिंगेश्वर स्वामी बीते 25 सालों से कंचुगल मठ के मठाधीश थे। उन्होंने 1997 में इसकी जिम्मेदारी संभाली थी। बताया जा रहा है कि सोमवार को काफी देर तक बसवलिंगेश्वर ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। वह फोन का जवाब भी नहीं दे रहे थे। इसके बाद कमरे का दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के अंदर का नजारा देखकर हर कोई हैरान था। संत का शव पंखे में लगे फंदे से लटक रहा था। मामले की जानकारी फौरन पुलिस को दी गई।

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान 14 नवंबर को आ रहे हैं भारत, व्यापार और निवेश पर होगा फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान 14 नवंबर को भारत दौरे पर आ रहे हैं। सऊदी क्राउन प्रिंस और राज्य के नव नियुक्त प्रधानमंत्री, मोहम्मद बिन सलमान के 14 नवंबर को एक दिन की यात्रा के लिए नई दिल्ली में होने की उम्मीद है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का ये दौरा दोनों देशों के रिश्तों और व्यापारिक साझेदारी के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

दिल्ली में, सऊदी क्राउन प्रिंस ळ20 लीडर्स समिट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने से पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (टै।) अजीत डोभाल से मुलाकात करेंगे।

सूत्र के अनुसार, नई दिल्ली में भारत-सऊदी नेतृत्व के बीच बातचीत के दौरान व्यापार और निवेश फोकस के प्रमुख क्षेत्र होंगे। इस वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच करीब 43 अरब डलर का व्यापार हुआ है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारत सऊदी अरब को निर्यात बढ़ाना चाहता है, जो पहले से ही भारतीय जूते और वस्त्रों का एक प्रमुख बाजार है।

भजन लाल के परिवार की पेंशन पर हर महीने लाखों खर्च कर रही सरकार, बेटे कुलदीप बिश्नोई का भी जुड़ा नाम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भजन लाल के परिवार की पेंशन पर प्रदेश सरकार लाखों रुपये खर्च कर रही है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के वकील हेमंत कुमार ने सूचना अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी के हवाले से बताया कि इस समय भजन लाल परिवार के तीन सदस्यों को चार पेंशन मिल रही है। इनमें उनकी धर्मपत्नी जसमा देवी, बड़े पुत्र चन्द्रमोहन और छोटी पुत्रवधू एवं कुलदीप बिश्नोई की धर्मपत्नी रेणुका बिश्नोई को, प्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य के तौर पर हरियाणा सरकार से पेंशन मिल रही है। जसमा देवी को इसके अलावा भजन लाल की धर्मपत्नी के तौर पर फैमिली पेंशन भी प्राप्त हो रही है। इसमें जल्द ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने वाले कुलदीप बिश्नोई का भी नाम जुड़ जाएगा। आदमपुर के विधायक रहे

कुलदीप बिश्नोई कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके हैं और भाजपा ने उनकी रिक्त की गई सीट पर उनके पुत्र भव्य विश्नोई को टिकट दिया है।

हेमंत कुमार के अनुसार जसमा देवी आदमपुर विधानसभा से एक बार जुलाई, 1987 से अप्रैल, 1991 तक विधायक रहीं हैं। उन्हें प्रतिमाह 77 हजार रुपये की पेंशन मिल रही है। इसमें एक कार्यकाल के एवज में 50 हजार रुपये बेसिक पेंशन और उसपर 34 प्रतिशत की दर से डियरनेस रिलीफ (डीआर), जैसी हरियाणा सरकार के पेंशनरों को मिलती है। इसके साथ ही 10 हजार रुपये प्रतिमाह का स्पेशल ट्रैवेलिंग अलाउंस (विशेष यात्रा भत्ता) भी प्राप्त हो रहा है। चूंकि हाल ही में प्रदेश सरकार के पेंशनरों का डीआर 34 प्रतिशत से बढ़कर 38 प्रतिशत कर दिया है, इसलिए इस प्रकार जसमा देवी की पूर्व विधायक के तौर पर मासिक पेंशन जल्द ही दो हजार बढ़कर प्रतिमाह 79 हजार हो जाएगी।

आरटीआई डालने वाले हेमंत कुमार के अनुसार इसके अतिरिक्त जसमा देवी को भजन लाल की धर्मपत्नी के तौर पर प्रतिमाह 99 हजार 619 रुपये की फैमिली पेंशन भी प्राप्त हो रही है, जिसमें फैमिली पेंशन राशि के तौर पर 19 हजार 250 रुपये, डियरनेस फैमिली पेंशन के तौर पर 9 हजार 625 रुपये और इन दोनों को मिलाकर बन रही 28 हजार 875 रुपये की राशि पर 245 प्रतिशत की दर से 70 हजार 744 रुपये का डीआर प्राप्त हो रहा है।

इस प्रकार उन्हें प्रतिमाह हरियाणा सरकार से पूर्व विधायक के तौर पर पेंशन और साथ साथ फैमिली पेंशन को जोड़कर कुल पौने दो लाख रुपये से ऊपर प्राप्त हो रहे हैं। चूंकि भजन लाल एक बार हरियाणा से राज्यसभा और तीन बार लोकसभा के सदस्य भी रहे हैं, इस प्रकार उनके चार बार सांसद रहने के एवज में जसमा देवी को भारत सरकार से भी फैमिली पेंशन प्राप्त हो रही है।

आखिर इजरायल ने यूक्रेनी सेना को डिफेंस सिस्टम देने से क्यों मना किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी सेना द्वारा मिसाइल और ड्रोन के हमले के बाद इजरायली एयर डिफेंस सिस्ष्टम की मांग की थी। इजरायली सरकार ने यूक्रेन की मांग को दूसरी बार ठुकरा दिया है। इससे यूक्रेन को बड़ा झटका लगा है। रूसी सेना के हमलों को रोकने के लिए अब क्घ्या कदम उठाएगी।

यह एक मोबाइल मिसाइल डिफें स सिस्टम है। इसे एक ट्रक के जरिए एक स्थ्थान से दूसरे स्थ्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। इस डिफें स सिस्ष्टम को इजरायल ने अमेरिका के साथ मिलकर बनाया है। वर्ष 2011 में यह इजरायली सेना में शामिल किया गया। यह किसी भी मौसम में कारगर है। कोहरा और बारिश के दौरान भी यह दुश्घ्मन पर प्रहार करने में पूरी तरह से सक्षम है। यह दुश्घ्मन के ड्रोन, मोर्टार और राकेट हमलों के खिलाफ बेहतर काम करता है। इजरायली सेना का दावा है कि यह क्रूज मिसाइलों के खिलाफ भी काफी कारगर है।

यह एक मोबाइल मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। इसे एक ट्रक के जरिए एक स्थ्थान से दूसरे सान पर आसानी से ले जाया जा सकता है। इस डिदें स सिस्ष्टम को इजरायल ने अमेरिका के साथ मिलकर बनाया है। वर्ष 2011 में यह इजरायली सेना में शामिल किया गया। यह किसी भी मौसम में कारगर है। कोहरा और बारिश के दौरान भी यह दुश्घ्मन पर प्रहार करने में पूरी तरह से सक्षम है। यह दुश्घ्मन के ड्रोन, मोर्टार और राकेट हमलों के खिलाफ बेहतर काम करता है। इजरायली सेना का दावा है कि यह क्रूज मिसाइलों के खिलाफ भी काफी कारगर है। नेजपलियष्झनई दिल्घ्ली, जेएनएन। यूक्रेन जंग के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्घ्की को एक बड़ा झटका लगा है। इजरायल ने यूक्रेनी सेना को अपना एयर डिदें स सिस्ष्टम देने से मना कर दिया है। यूक्रेन ने राजधानी कीव पर रूसी सेना द्वारा मिसाइल और ड्रोन के हमले के बाद इजरायली एयर डिदें स सिस्टम की मांग की थी। इजरायली सरकार ने यूक्रेन की मांग को दूसरी बार ठुकरा दिया है। इजरायल के इस फैसले से निश्चित रूप से यूक्रेन को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में सवाल उठता है कि रूसी सेना के हमलों को रोकने के लिए यूक्रेनी सेना अब क्घ्या कदम उठाएगी। यूक्रेनी सेना के पास क्घ्या विकल्घ्प है।

विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत ने कहा कि इजरायल और रूस के बीच मुधर संबंध है। इन संबंधों के कारण ही पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद इजरायल ने अपने एयर डिदें स सिस्टम को देने से मना किया है। उन्ह्रोंने कहा कि हालांकि, इजरायल ने यूक्रेन जंग के दौरान मानवीय सुविधाएं जारी रखी हैं।

प्रो पंत ने कहा इजरायल जानता है कि उसके दिए हुए हथघ्यिारों का इस्घ्तेमाल यूक्रेन रूसी सेना के विरुद्ध करेगा। उन्ह्रोंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ सकती है। प्रो पंत ने कहा कि यूक्रेन की मांग को ठुकरा कर इजरायल ने यह संदेश दिया है कि पश्चिमी मुल्घ्कों के दबाव में आकर वह रूस से अपने संबंधों को नहीं बिगाड़ेगा।प्रो पंत ने कहा यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्घ्की इजरायल पर कूटनीतिक दबाव बना रहे हैं, लेकिन वह बेअसर है। उन्ह्रोंने कहा कि इजरायली विदेश नीति की पहली प्राथमिकता यहूदी समुदाय हैं। रूस और यूक्रेन में भारी संख्घ्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं।ऐसे में इजरायल, रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संबंधों में संतुलन बनाकर चल रहा है। उन्ह्रोंने कहा कि रूस में यहूदियों की बड़ी आबादी रहती है। रूस में यहूदियों की यह संख्घ्या करीब 1,65,000 के करीब थी। जंग के बाद हजारों यहूदी समुदाय के लोग वहां से पलायन कर गए हैं। यूरोपीय देशों में यूक्रेन में बड़ी संख्घ्या में यहूदी समुदाय के लोग हैं।

मार्कस स्टोइनिस ने की छक्कों की बरसात, जड़ी सबसे तेज फिफ्टी, श्रीलंका को मिली हार

पर्थ। मार्कस स्टोयनिस की 18 गेंद में नाबाद 59 रन की आतिशी पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में ग्रुप एक के मैच में श्रीलंका को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। मैन ऑफ द मैच स्टोयनिस ने अपनी पारी में चार चौके और छह छक्के जड़ मैच का रूख पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया की ओर मोड़ दिया।

टी20 में आस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज अर्धशतक

आस्ट्रेलिया की तरफ से यह टी20 में सबसे तेज अर्धशतक है। श्रीलंका ने चरिथ असलंका की नाबाद 38 रन की आक्रामक पारी के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 157 रन बनाये। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान आरोन फिंच 31 रन बनाकर नाबाद रहे। फिंच अपनी 42 गेंद की पारी के दौरान कभी सहज नहीं दिखे तो वही स्टोयनिस ने क्रीज पर कदम रखते ही ताबड़तोड़ शॉट खेले। उन्होंने 17 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो युवराज सिंह के बाद टी20 विश्व कप का दूसरे सबसे तेज अर्धशतक है। स्टोयनिस और फिंच ने 25 गेंद में 69 रन की अटूट साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने भी 12 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 23 रन बनाये। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने तीन ओवर में 53 रन लुटाये। महीश तीक्षणा ने तीन ओवर में एक विकेट लेकर 23 रन दिये।

टी20 में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज 50 रन
17 गेंदें स्टोइनिस बनाम श्रीलंका पर्थ 2022
18 गेंदें वार्नर बनाम वेस्टइंडीज सिडनी 2010
18 गेंदें मैक्सवेल बनाम पाक मीरपुर 2014
18 गेंदें मैक्सवेल बनाम एसएल कोलंबो 2016

टी20– विश्व कप में कम गेंदों का सामना करके सबसे तेज 50 रन
12 गेंदें युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड डरबन 2007
17 गेंदें मायबर्ग बनाम आयरलैंड सिलहट 2014
17 गेंदें स्टोइनिस बनाम श्रीलंका पर्थ 2022

इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे लेकिन आखिरी दो ओवरों में 31 रन जोड़कर टीम ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। असलंका ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और दो छक्के जड़े। उन्हें चमिका करुणारत्ने (सात गेंद में नाबाद 14 रन) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने सातवें विकेट के लिए आखिरी 15 गेंद में 37 रन की अटूट साझेदारी की। टीम के लिए पथुम निसंका ने 45 गेंद में 40 और धनंजय डिसिल्वा 23 गेंद में 26 रन ने दूसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश हेजलवुड, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, ऐशटन अगर और मैक्सवेल ने एक–एक विकेट लिये।

पावरप्ले में एक भी बाउंड्री नहीं लगी

लक्ष्य का बचाव करते हुए श्रीलंका को पहले ओवर में ही झटका लगा जब तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ा पड़ा। उनके पहले ओवर को डिसिल्वा ने पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया को भी शुरुआती ओवरों में रन बनाने के लिए जूझना पड़ा। टीम पावर प्ले में बल्ले से एक भी बाउंड्री नहीं लगा सकी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह पहली बार हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की यह टीम पावरप्ले में एक भी बाउंड्री नहीं लगा सकी। इस बीच पांचवें ओवर में महीश तीक्षणा ने डेविड वार्नर की नौ गेंद में 11 रन की पारी को खत्म किया। पावर प्ले में एक विकेट पर 33 रन बनाने के बाद मार्श ने आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए हसरांगा के खिलाफ चौका और छक्का लगाकर टीम की बाउंड्री का खाता खोला। इस ओवर से 15 रन बने। अब तक रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे फिंच ने नौवें ओवर में डिसिल्वा के खिलाफ छक्का जड़ा लेकिन इसी ओवर में मार्श 17 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हो गये।

हसरंगा के ओवर में जड़े 19 रन

मैक्सवेल ने क्रीज पर कदम रखते ही 10वें ओवर में हसरंगा के खिलाफ दो छक्के और एक चौका जड़ ओवर से 19 रन बटोरे। तीक्षणा ने इसके बाद मेडन ओवर फेंका। मैच के 13वें ओवर में करूणारत्ने की गेंद पर फिंच को जीवनदान मिला लेकिन अगली गेंद पर मैक्सवेल आउट हो गये। स्टोइनिस ने क्रीज पर कदम रखते ही बाउंड्री की बारिश शुरू कर दी। उन्होंने हसरंगा के ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाने के बाद शुरुआती दो ओवर में तीन रन देने वाले तीक्षणा के द्वारा किये गए 16वें ओवर में तीन छक्के जड़ अपना अर्धशतक पूरा किया।

हम उसके बिना भारत के बारे में नहीं सोच सकते', कपिल देव ने की इस खिलाड़ी की तारीफ

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव ने भारत टीम के मध्यक्रम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की तारीफ की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सूर्यकुमार के प्रदर्शन ने लोगों को उनके और उनके खेल के बारे में बात करने के लिए मजबूर किया। पिछले एक साल में सूर्यकुमार भारत की सीमित ओवरों की प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, हम उसके बिना भारतीय टीम के बारे में सोच भी नहीं सकते।कपिल देव ने कहा, किसी ने कभी नहीं सोचा था कि यादव भविष्य में एक प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे, लेकिन उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया और दुनिया को उनके बारे में बात करने के लिए मजबूर किया। अब हम उसके बिना भारत के बारे में नहीं सोच सकते। विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल के साथ टीम में सूर्यकुमार जैसा बल्लेबाज होने से टीम अपने आप मजबूत हो जाती है।

पिछले हफ्ते घोषित आईसीसी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार टी20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान के ठीक नीचे दूसरे स्थान पर हैं। शीर्ष 20 में अन्य उल्लेखनीय भारतीय नाम कप्तान रोहित शर्मा (16), केएल राहुल (13), और विराट कोहली (15) हैं। भारतीय खिलाड़ियों में सूर्यकुमार यादव वर्तमान में सर्वोच्च स्थान पर हैं। इस 32 वर्षीय की टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि वह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ सस्ते में आउट हो गए। हालांकि विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने आखिरी गेंद पर चार विकेट से मैच जीत लिया। भारत का अगला मुकाबला 27 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नीदरलैंड से होगा जिसमें वह छाप छोड़ना चाहेंगे।

बेटे की 'फिनिशर' की भूमिका देखने ऑस्ट्रेलिया पहुंचे कार्तिक के पिता

सिडनी। दूर से देखने पर कृष्ण कुमार पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान प्रसून बनर्जी जैसे दिखते हैं। वह एक कोने में खड़े होकर भारतीय क्रिकेट टीम के अभ्यास सत्र का इंतजार कर रहे थे। यह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि दिनेश कार्तिक के पिता थे जो टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के लिए अपने बेटे की फिनिशर की भूमिका को देखने के लिए यहां पहुंचे हैं।कार्तिक भारतीय टीम में सबसे उम्रदराज और सीनियर खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और संभवत वह अपना आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट खेल रहे हैं। कृष्ण कुमार किसी खास बल्लेबाज को नहीं देख रहे थे। एक बार जब उन्होंने अपने मोबाइल का कैमरा शुरू किया तो उन्हें बता दिया गया कि वह इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं और ऐसा करना नियमों का उल्लंघन है।इसके बाद पता चला कि वह दिनेश कार्तिक के पिता हैं तो पत्रकार भी उनके पास पहुंच गए। उन्होंने अपने बेटे की वापसी को लेकर कई यूट्यूब चैनलों से बात भी की। कार्तिक ऐसे क्रिकेटर हैं जो जब भी भारत के लिए खेलते हैं तो उनके माता–पिता उनका खेल देखने के लिए आते हैं। राहुल द्रविड़ की कप्तानी में जब कार्तिक टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे तब उनकी मां पद्मिनी अक्सर उनका मैच देखने के लिए आती थी।

टी20 विश्व कप : स्टार्क ने धनंजय डी सिल्वा को नहीं किया 'मांकड़', चेतावनी देकर छोड़ा

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ड कप 2022 का 19वां मैच पर्थ में एशिया कप 2022 विजेता श्रीलंका बनाम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने सुपर 12 अभियान के पहले मैच में न्यूजीलैंड से करारी हार के बाद श्रीलंकाई लायंस के खिलाफ शानदार क्रिकेट खेला और टीम को पहले गेंदबाजी करते हुए 157/6 के स्कोर पर रोक दिया। इस दौरान तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क सुर्खियों में रहे जिन्होंने श्रीलंकाई बल्लेबाज धनंजय डी सिल्वा को नॉन स्ट्राइकर एंड पर क्रीज छोड़ने के बाद चेतावनी देते हुए छोड़ दिया और रन आउट नहीं किया।

आरोन फिंच की अगुवाई वाली टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। मैच के पांचवें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को श्रीलंका के बल्लेबाज धनंजय डी सिल्वा को नॉन–स्ट्राइकर एंड पर बहुत जल्दी क्रीज छोड़ने के लिए चेतावनी देते हुए देखा गया। 32 वर्षीय तेज गेंदबाज ने डी सिल्वा को क्रीज से थोड़ा जल्दी बाहर निकलने के लिए चेतावनी दी। एमसीसी के नियमों के अनुसार एक गेंदबाज बिना किसी चेतावनी के नॉन–स्ट्राइकर एंड पर बल्लेबाज को रन आउट कर सकता है और इसे विकेट माना जाएगा।

कई क्रिकेटरों का मानना है कि यह 'खेल की भावना' को बनाए नहीं रखता है। इस बहस और इसके आसपास का विवाद तब शुरू हुआ जब भारत की दीप्ति शर्मा ने भारत के हालिया इंग्लैंड दौरे के दौरान तीसरे एकदिवसीय मैच में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के चार्ली डीन को रन आउट किया था। डीन को उस अवसर के दौरान बहुत पीछे हटते हुए पाया गया जब दीप्ति ने उन्होंने बाहर का रास्ता दिखाया और इस मुद्दे पर बहस छिड़ गई। इससे पहले वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीसरे टी20 मैच में स्टार्क ने कुछ ऐसा ही किया था और इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर को जल्दी क्रीज छोड़ने के लिए चेतावनी देते हुए छोड़ दिया था।

फिल्मी गपशप

अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की जमाई राजा का बनेगा रीमेक, हुई घोषणा

1990 की सुपरहिट मसाला फिल्म जमाई राजा 32 साल बाद फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने जा रही है। बुधवार को फिल्म के 30 साल पूरे होने के मौके पर फिल्म के रीमेक की आधिकारिक घोषणा की गई है। इस फिल्म में अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित और हेमा मालिनी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में अनिल और हेमा के तकरार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। दर्शकों को अब इस रीमेक की अन्य जानकारियों का इंतजार है।

जमाई राजा 19 अक्टूबर, 1990 को रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल थी। फिल्म एक सास और दामाद के टकराव की कहानी थी। दर्शकों ने फिल्म में अनिल और माधुरी की जोड़ी को भी खूब पसन्द किया था। फिल्म का निर्देशन ए कोदनंदरामी रेड्डी ने किया था। यह तेलुगु फिल्म अट्टकु यमुडु अम्माईकी मोगुडू की हिंदी रीमेक थी। अब इस फिल्म को यूट्यूब, अमेजन प्राइम वीडियो और एमएक्स प्लेयर पर देखा जा सकता है। फिल्म के 30 साल पूरे होने के मौके पर इसके रीमेक की घोषणा की गई।

रिपोर्ट्स के अनुसार शीमारू एंटरटेनमेंट, इंडियन मीडिया एंटरटेनमेंट (ढ्रूरूश्वह) के साथ मिलकर रीमेक के निर्माण करेगी। जहां पिछली बार यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी, वहीं चर्चा है कि इस बार फिल्म का स्क्रीनप्ले ऐक्शन ड्रामा के रूप में तैयार किया जाएगा। फिल्म के स्टारकास्ट के बारे में फिलहाल कोई घोषणा नहीं कि गई है।

शीमारू एंटरटेनमेंट के सीईओ हीरेन गाड़ा ने अपने बयान में कहा, हम देश का मनोरंजन करने के लिए नए–नए तरीके ढूंढने में अग्रणी हैं। इस इंडस्ट्री के ट्रेंड्स के साथ खुद को बदलते रहना जरूरी है। जमाई राजा के लिए आईएमईएन के साथ हाथ मिलाना, नए दर्शकों को पुराने कंटेंट से रूबरू कराने की तरफ हमारा पहला कदम है।

आदिवी शेष की 3 फिल्में शीर्ष 25 तेलुगु फिल्मों की आईएमडीबी सूची में

बहुचचत फिल्म मेजर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले टॉलीवुड अभिनेता आदिवी शेष कुछ दिलचस्प परियोजनाओं के साथ तेलुगु फिल्म में बड़ी जगह बना रहे हैं। आईएमडीबी की शीर्ष 25 तेलुगु फिल्मों में 1957 की रिलीज मायाबाजार 2 नंबर पर और 1980 की शंकरभरणम 14वें स्थान पर है। अन्य उल्लेखनीय प्रविष्टियों में बाहुबली 2 नंबर 10 पर शामिल है। अभिनेता वेंकटेश नुव्वु नाकु नचावु और द्रुश्यम के साथ सूची में दो बार शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि, आदिवी शेष की शीर्ष 25 में से तीन फिल्में शामिल हैं। फिल्में हैं – 2016 में रिलीज हुई क्षनम, 2019 में इवारू और 2022 में रिलीज हुई मेजर।

इस पर बोलते हुए आदिवी शेष कहते हैं कि, यह जानकर बेहद खुशी हो रही है कि मेरी 3 फिल्मों ने आईएमडीबी के रूप में विश्वसनीय मंच पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सूची में जगह बनाई है। यह दर्शकों का प्यार है। मैं अपने सभी निर्देशकों, सह–कलाकारों और निर्माताओं को भी मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हम वही हैं जो दर्शक हमें बनाते हैं, और मैं अपनी भविष्य की परियोजनाओं के लिए भी उत्साहित हूं।

मैंने रॉक क्लाइम्बिंग करना सीखा, बोरवेल और गड्ढे में सीक्वेंस शूट किया: निहारिका रॉय

टीवी अभिनेत्री निहारिका रॉय ने शो 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' में एक स्टंट करते हुए खुलासा किया। उन्होंने कहा कि एक्शन सीक्वेंस उनके लिए नए हैं और उन्हें करने में उन्हें मजा आता है। अभिनेत्री, जो वर्तमान में शो में महिला प्रधान राधा की भूमिका निभा रही हैं, ने कहा, मैंने अपने करियर में पहली बार शो में कई स्टंट किए हैं लेकिन मुझे कहना होगा, मेरे लिए हर दिन नई सीख है। मैंने रॉक क्लाइम्बिंग करना सीखा, मैंने बोरवेल और गड्ढे में एक सीक्वेंस शूट किया।

शो जो राधा (निहारिका) और मोहन (शब्बीर अहलूवालिया) की प्रेम कहानी है, में राधा द्वारा किया गया एक एक्शन सीक्वेंस होगा। आगामी एपिसोड में वह मोहन के साथ अपनी शादी को रोकने के लिए दामिनी (संभाना मोहंती द्वारा अभिनीत) द्वारा आग में धकेलती हुई दिखाई देगी।

निहारिका ने कहा कि इन स्टंट को करना उनके लिए कभी आसान नहीं होता लेकिन वह उन्हें करते हुए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं।

आगे कहा, इनमें से अधिकांश स्टंटों पर मेरी पहली प्रतिक्रिया यह है कि 'मैं इसे कैसे करूंगी?' फिर मैंने एक गहरी सांस ली और इसे करने के लिए अपना सब कुछ दे दिया। हाल ही में, मैंने आग के साथ एक सीक्वेंस शूट किया, और यह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था। यह एक छोटा सा कमरा था जो चारों तरफ से आग से जगमगा रहा था, यह डरावना था फिर भी रोमांचक था।

कांतारा ने हिंदी दर्शकों का भी जीता दिल, 100 करोड़ के क्लब में मारी एंट्री

ऋ षभ शेट्टी की कांतारा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के बाद अब हिंदी व अन्य भाषाओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है. कन्नड़ भाषा में बनी फिल्म कांतारा को हिंदी समेत तमिल और तेलुगू में भी रिलीज किया जा चुका है. फिल्म हिंदी में भी शानदार कलेक्शन कर रही है और आने वाले दिनों में भी इसकी कमाई में बढ़त होने की उम्मीद है. हाल ही में बॉलीवुड की कोड नेम तिरंगा और डॉक्टर जी भी रिलीज हुई हैं, लेकिन उन दोनों के मुकाबले लोगों को कंतार की कहानी ज्यादा पसंद आई.

फिल्म कांतारा के हिंदी संस्करण ने 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी और 1300 स्क्रीन की कम संख्या के बावजूद फिल्म ने शानदार शुरुआत की.

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने हिंदी पट्टी पर शुक्रवार को करीबन 1.2 करोड़ की कमाई थी. जबकि शनिवार को एडवांस बुकिंग में ही इसके 20 हजार से ज्यादा टिकट बिक चुके थे. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 2.25 करोड़ का कारोबार किया है.रिपोर्ट के अनुसार होम्बले प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और ऋषभ शेट्टी स्टारर और निर्देशित कांतारा को महज 16 करोड़ रुपए में तैयार किया गया है.

कंगना रनौत के हाथ लगी एक और बायोपिक फिल्म, नोटी बिनोदिनी का रोल करेंगी अदा

कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसी बीच उन्होंने अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर दी है। कंगना रंगमंच की दिग्गज कलाकार बिनोदिनी दासी (नोटी बिनोदिनी) की बायोपिक में उनकी भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन परिणीता और मर्दानी के निर्देशक प्रदीप सरकार करेंगे। फिल्म का लेखन प्रकाश कपाडिया कर रहे हैं। प्रकाश इससे पहले देवदास, पद्मावत और ब्लैक जैसी फिल्मों का लेखन कर चुके हैं।

कंगना ने कहा, मैं प्रदीप सरकार जी की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। यह मौका मिलने पर मैं बेहद खुश हूं। प्रकाश कपाडिया जी के साथ मैं पहली बार काम करूंगी। देश के बेहतरीन कलाकारों के साथ इस सफर के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। बता दें, यह कंगना की चौथी बायोपिक फिल्म होगी। बिनोदिनी का जन्म 1862 में कोलकाता में हुआ था। उन्होंने 12

साल की उम्र से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। 1874 में उन्होंने अपनी पहली प्रस्तुति अपने गुरु गिरीश चंद्र घोष की देखरेख में कलकत्ता राष्ट्रीय रंगमंच पर दी थी। घोष इस रंगमंच के सह–संस्थापक थे। बंगाली रंगमंच के स्वर्णिम दौर का श्रेय घोष को दिया जाता है। अपनी पहली प्रस्तुति से ही बिनोदिनी ने लोगों का दिल जीत लिया था।

24 साल की उम्र में जब बिनोदिनी शोहरत की बुलंदियों पर थीं, तभी उन्होंने अभिनय छोडने का फैसला लिया। हालांकि, उनके इस फैसले का सही कारण नहीं मिलता है। महज 12 साल के इस सफर में उन्होंने 80 से ज्यादा किरदारों में अपनी जान डाली। इनमें सीता, द्रौपदी, राधा, आयशा, कैकई, मोतीबीबी जैसे किरदार शामिल हैं। उन्होंने विवाह विभारत, दुर्गेश नंदिनी, अगोमुनी, बुद्धदेव जैसे निर्माताओं के साथ कई यादगार भूमिकाएं निभाई थीं।1884 में बिनोदिनी ने चैतन्य लीला में वैष्णव संत चैतन्य महाप्रभु का किरदार निभाया था। उनकी इस प्रस्तुति के दौरान दर्शकों में आध्यात्मिक गुरु रामकृष्ण परमहंस भी मौजूद थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com